भाद्रपद कृष्ण पक्ष-4, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 90 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 सितम्बर 2024 शनिवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

हरियाणा में कांग्रेस को पछाड़ने की कोशिश, महाराष्ट्र में लगा बड़ा झटका

सियासी सरगर्मी: भाजपा खेला की तैयारी में, शैलजा को दिया ऑफर

नई दिल्ली , एजेंसी।

दो राज्यों की चुनावी सरगर्मी के साथ ही तीन अन्य राज्यों के आगामी चुनाव को लेकर सियासत सुर्ख हो रही है। हरियाणा में भाजपा व बसपा के लिये कांग्रेस नेता व सांसद शैलजा उम्मीद की नयी किरण बन रही हैं। यहां अब तक के अनुमानों में कांग्रेस बाकी दलों से कुछ आगे नजर आ रही है। इस बीच शैलजा को आज पूर्व सीएम मनोहरलाल खट्टर ने भाजपा में आने का आफर दिया है। बसपा ने भी यही किया है। माना जा रहा है कि शैलजा नाराज चल रही हैं और वे चुनाव प्रचार के बजाए घर पर ही समर्थकों व नेताओं से मिल रही हैं। उधर महाराष्ट्र में भाजपा को झटका लगा है। पूर्व सीएम अशोक चव्हाण के करीबी रिश्तेदारों ने दोबार कांग्रेस का दामन थाम लिया है।

हरियाणा में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, पालाबदल व खेला करने की कोशिशे भी तेज हो रही हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि कुमारी शैलजा का कांग्रेस में अपमान हुआ है और हम उन्हें अपने साथ लेने के लिए तैयार है। खट्टर ने कहा कि कुमारी शैलजा को गालियां तक दी गई और वह घर बैठी हुई है। मनोहर लाल

खट्टर ने इसके लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा को जिम्मेदार ठहराया। खट्टर ने कहा कि हमने कई नेताओं को अपने साथ मिलाया है और अगर शैलजा तैयार हैं तो हम उन्हें भी अपने साथ लेंगे। इससे राजनीति गर्म हो गई है। बीएसपी नेता व मायावती ने भतीजे आकाश आनंद ने भी कहा कि आपने देखा होगा कि हुड्डा के समर्थकों ने शैलजा के बारे में कितनी बुरी बातें कही है। वह एक बड़ी दलित नेता हैं और हम उनका सम्मान करते हैं।

नांदेड में चव्हाण पड़े अकेले रिश्तेदार कांग्रेस में शामिल

महाराष्ट्र में विस चुनाव के ऐन पहले दलबदल तेज है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण को झटका देते हुए पूर्व सांसद भास्करराव पाटिल खतगावकर कांग्रेस में लौट आए है।

उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव से ठीक पहले बीजेपी को अलविदा कहा है। नांदेड से तीन बार लोकसभा सदस्य रह चुके भास्करराव पाटिल खतगावकर दरअसल अशोक चव्हाण के रिश्तेदार हैं उनके साथ पूर्व विधायक ओम प्रकाश पोकरणा और खतगावकर की बहू मीनल भी कांग्रेस में शामिल हो गईं, जो विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) का एक प्रमुख घटक है। दरअसल आगामी दिनों में नांदेड़ लोस सीट पर उपचुनाव होना है क्योंकि यह सीट बसंत चव्हाण के निधन से खाली हो गई है। खतगावकर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में शामिल होते हुए मैं अपने घर वापस आकर खुश हूं।

मप्र में भाजपा सदस्यता का आंकड़ा 50 लाख पार हुआ

इधर मप्र में भाजपा के तीन सितंबर से शुरू सदस्यता अभियान ने अब तक 50 लाख के आंकड़े को क्रॉस कर लिया है। एक करोड़ सदस्य बनाकर यूपी अभी देश में पहले नंबर पर है। मप्र और गुजरात 50-50 लाख सदस्य बनाकर बराबरी पर हैं। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने ट्वीट कर सदस्यता के आंकड़े साझा किए हैं। संतोष के मुताबिक देशभर में अब तक 4 करोड़ सदस्य बने हैं। इनमें उप्र एक करोड सदस्य बनाकर पहले नंबर पर है। असम में 35 लाख सदस्य बने हैं। संतोष ने सदस्यता के रिकॉर्ड बनने पर बीजेपी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। वहीं मप्र भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- भाजपा के संगठन पर्व के दौरान सदस्यता के मामले में मप्र इतिहास बनाने जा रहा है। अब तक 57 लाख मिस्ड कॉल हुए है, 50 लाख फार्म भरे जा चुके हैं। जो हमारा टारगेट है, उस लक्ष्य से ऊपर सदस्यता होगी।

'लड्डू प्रसादम की पवित्रता बहाल, तिरुपति मंदिर प्रशासन ने किया दावा

नई दिल्ली , एजेंसी।

तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डू प्रसादम में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल पर हुए विवाद के बाद अब मंदिर प्रशासन ने कहा है कि प्रसाद की पवित्रता बहाल कर ली गई है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा है कि अब प्रसाद पूरी तरह से पवित्र और बेदाग है। तिरुमाला की पहाड़ियों पर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड (टीटीडी) करता है। उसने कहा श्रीवारी लड्डू की दिव्यता और पवित्रता अब बेदाग है।

वहीं लड्डू से जुड़े विवाद को लेकर अब केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने आंध्र प्रदेश सरकार से सख्त और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार को या तो विशेष टीम गठित करनी चाहिए या फिर मामले को सीबीआई को सौंपना चाहिए, 'यह हिंदू आस्था और विश्वास पर सीधा हमला है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' करंदलाजे ने पिछले चार वर्षों में तिरुपति लड्डू के लिए घी सप्लाई करने वाले सप्लायर्स की भी गहन जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि किन लोगों को टेंडर मिले और घी की आपूर्ति कहां से की गई। उन्होंने कहा, 'अब कोई गोपनीयता नहीं, सच्चाई सामने लाने का समय है।

शराब दुकान में बोतल लेने लाइन में लगे कलेक्टर..!

देहरादून , एजेंसी।

एक कलेक्टर आजकल यहां चर्चा में यहैं। यह डीएम साहब व्यवस्थाओं को सुधारना चाहते हैं. इसलिये कभी भी कहीं भी आम आदमी बनकर पहुंच जाते हैं और हालात का जायजा लेते हैं। हाल ही में वह आम आदमी बनकर अस्पताल भी पहुंचे थे और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया था फिर अब वे शराब के ठेके पर भी कस्टमर बनकर पहुंचे लाइन में लगे। दुकानदार ने उनसे भी बोतल के लिये तय कीमत से 20 रुपये अधिक वूसल लिए तो डीएम ने दुकान वाले पर कार्रवाई करते हुए 50 हजार का जुर्माना ठोंक दिया। ये आईएएस अफसर हैं सविन बंसल. हाल ही उनका ट्रांसफर देहरादून के लिए हुआ है। पद संभालते ही फेसबुक पर उनके कमेंट बॉक्स में लोगों ने तमाम तरह की समस्याएं गिनाईं, जिसको संज्ञान में लेकर डीएम लगातार सक्रिय हैं, और जगह-जगह औचक निरीक्षण कर रहे हैं।

देहरादून के डीएम सविन बंसल 2009 बैच के आईएएस अधिकारी

हैं. वह मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले हैं। उन्होंने 2008 में यूपीएससी परीक्षा पास की थी। आईएएस सविन बंसल को वर्ष 2021 में यूनाइटेड किंगडम कॉमनवेल्ड स्कॉलरशिप के लिए भी चुना गया था। वह भारत से इकलौते ऐसे आईएएस अफसर थे, जिन्हें यूके की इस स्कॉलरशिप के लिए चुना गया था।

शाह को इंतजार कराया गडकरी ने बोले-मेरा उदेश्य खराब नहीं था

नई दिल्ली , एजेंसी।

भाजपा अध्यक्ष रहते हुए नितिन गडकरी क्या अमित शाह को मिलने के लिये इंतजार करवाते थे? यह सवाल जब गडकरी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सौ-सौ लोग आते हैं मिलने के लिए। पहले

छोटे-छोटे लोगों को निपटा लिया कोई बड़ा व्यक्ति आता है उसको अधिक बोलना है तो रुकना पड़ा। मेरा उद्देश्य तो खराब नहीं था। दरअसल गडकरी, ने शुभांकर मिश्रा के साथ पॉडकास्ट के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। गडकरी से जब यह पूछा गया कि आपके राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते बतौर सीएम नरेंद्र मोदी भी नहीं आए? तो गडकरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी हमारे नेता हैं और उनके नेतृत्व में काम कर रहे हैं। देश की तरक्की के लिए वह कार्य कर रहे हैं और उनके नेतृत्व में सरकार को सफलता मिले और हम क्या योगदान दे सकते हैं इसकी कोशिश करते हैं। मैं कोई बड़ा आदमी नहीं। मैंने पोस्टर चिपकाने का काम किया। पार्टी में मैंने पर्ची बांटने का काम किया। उस पार्टी में मैंने कभी बायोडाटा नहीं छपवाया। गडकरी ने कहा कि 45 साल से एयरपोर्ट पर न तो मेरे स्वागत के लिए और न ही पहुंचाने के लिए कोई आता है। चुनाव जीतने के बाद मेरे सत्कार का कोई कार्यक्रम नहीं होता। मुझे नहीं पसंद।

अभिनेता प्रवीण सड़क दुर्घटना में घायल, हालत गंभीर

मुंबई । कुछ वर्ष पहले की बेहद चर्चित फिल्म 'खोसला का घोसला' फेम एक्टर प्रवीण डबास आज सुबह एक रोड एक्सीडेंट में बुरी तरह घायल हो गए हैं। उन्हें मुंबई के बांद्रा स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो डॉक्टर्स ने एक्टर के सभी टेस्ट कर लिए हैं और उनकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। एक्टर की हालत गंभीर बताई जा रही हैं।अस्पताल में प्रवीण के साथ उनकी पत्नी प्रीति झंगियानी भी मौजूद हैं। वे 'मोहब्बतें' समेत कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। प्रवीण के एक्सीडेंट की जानकारी प्रो पंजा लीग ने दी है क्योंकि प्रवीण इस प्रोफेशनल आर्म रेस्लिंग लीग के को-फाउंडर भी हैं।

आतिशी आज लेंगी शपथ, कुछ विधायक अनमने !

नई दिल्ली। आज आम आदमी पार्टी सरकार की मुख्यमंत्री के तौर पर आतिशी सिंह शाम साढे चार बजे शपथ ले रही हैं। उन्हें बीते दिनों विधायक दल का नेता चुना गया था। उनके साथ पांच मंत्री भी शपथ लेंगे। हालांकि खबरें हैं कि पार्टी के कुछ विधायक इस निर्णय से अनमने हैं, लेकिन 'अस्थाई नियुक्ति' मानकर चुप हैं। विधायक दल की बैठक में भी कुछ विधायकों ने सहमति में हां कहा था तो कुछ चुप रहे। बाद में मनीष सिसोदिया ने आगे आकर कहा कि- 'आतिशी हमारी नई मुख्यमंत्री होंगी। क्या किसी को कोई ऐतराज है। हमें लगता है कि सब सहमत होंगे।

उड़ान में गंदगी, एयर इंडिया ने यात्री का किराया लौटाया

नई दिल्ली , एजेंसी।

अक्सर फ्लाइट में सफर करने के दौरान काफी यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा नया मामला एयर इंडिया की फ्लाइट से जुड़ा सामने आया है। एयरलाइंस की फर्स्ट क्लास में सफर का अनुभव एक अमेरिकी-भारतीय सीईओ के लिए काफी खराब रहा। अमेरिका से दिल्ली आ रही इस फ्लाइट में मौजूद खराब चीजों का सीईओ अनीष पटेल ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इसके बाद एयरलाइंस हरकत

में है उसने उस यात्री की टिकट का करीब पांच लाख रू का किराया वापस कर दिया। पटेल शिकागो स्थित फर्म के फाउंडर हैं। जब वह दिल्ली आ रहे थे तो 15 घंटे के सफर में उन्होंने देखा कि वहां काफी गंदगी थी। सीट और कालीन पर काफी दाग-धब्बे थे। मेनू में लिखी 30 फीसदी से चीजें मौजूद नहीं थीं। पटेल ने लिखा, 'मैंने पहले एयर इंडिया के बारे में नकारात्मक बातें सुनी थीं, लेकिन मुझे उम्मीद थी कि नए मैनेजमेंट के तहत हाल ही में हुए बदलावों से अनुभव बेहतर होगा। लेकिन ऐसा नहीं था।

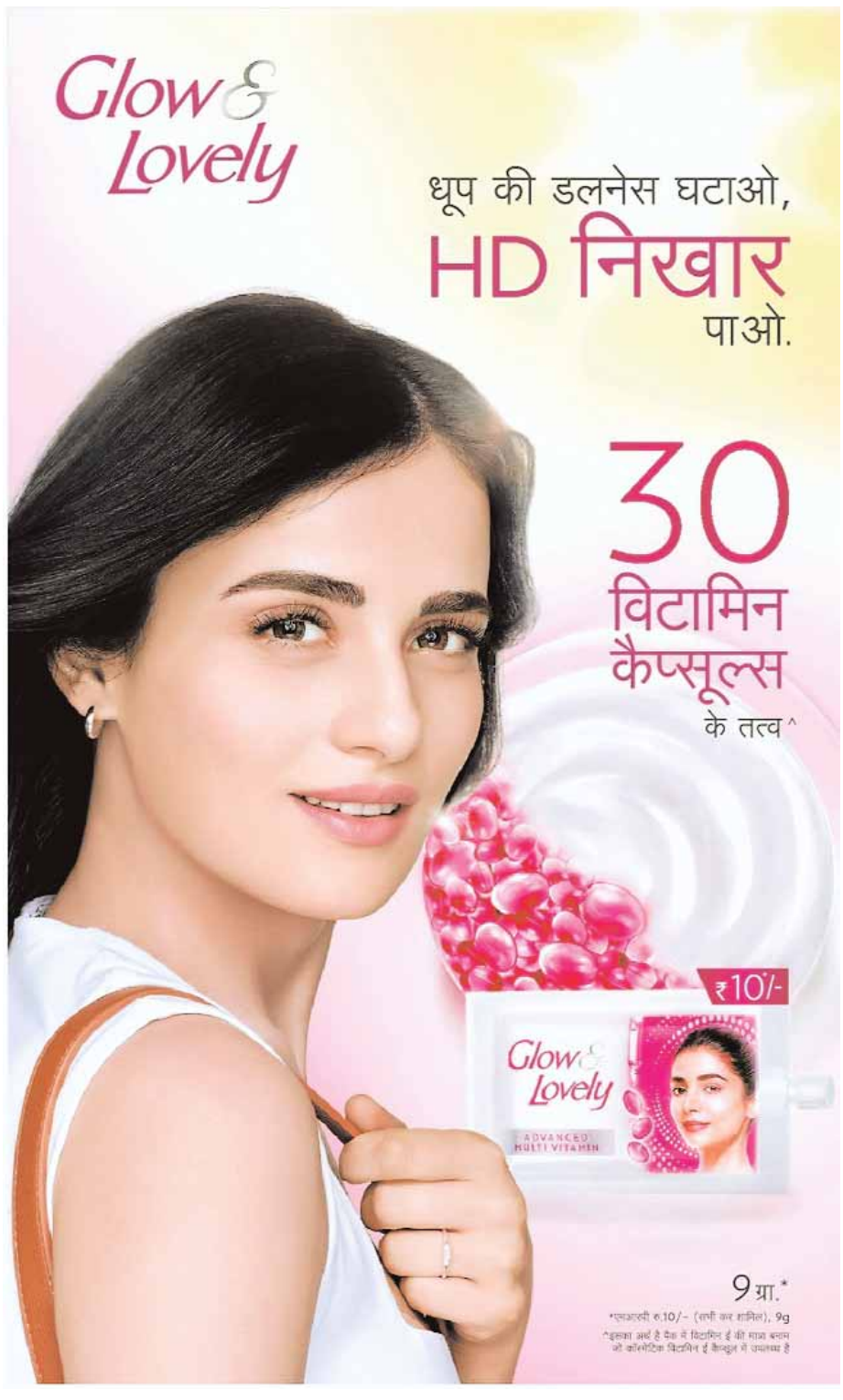

मेट्रो एंकर | घर के बाहर फायरिंग मामले में नया मोड़

सलमान के दाऊद की डी-कंपनी से संबंध, वकील को मांगनी पड़ेगी माफी!

मुंबई , एजेंसी।

फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले में नया मोड आ गया है। खान ने आरोपियों के वकील अमित मिश्रा को मानहानि का नोटिस भेजा है। क्योंकि आरोपी विक्की गुप्ता और सागर पाल के वकील मिश्रा ने मीडिया से बात करते हुए कह दिया था कि 'मेरे क्लाइंट के परिजनों को जेल में बंद दाऊद इब्राहिम के गुर्गों से डर है। वे सलमान के कहने पर सागर और विक्की का मर्डर कर सकते हैं।' सलमान ने इसी बात पर मानहानि का नोटिस भेजा है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक अमित का कहना है कि 'मैंने तो बस अपने क्लाइंट का पक्ष रखा था। अपनी तरफ से कुछ भी नहीं कहा था, फिर भी मुझे डराने और प्रेशर डालने के लिए मानहानि का नोटिस भेजा गया। मैं एक वकील हूं, लेकिन फिलहाल विक्टिम बन गया हूं। अगर मेरे साथ कुछ भी गलत हुआ, तो इसके जिम्मेदार सलमान खान होंगे।'

बताया जाता है कि सलमान खान ने लीगल

नोटिस भेज कर 48 घंटे के अंदर माफी मांगने को कहा है। नोटिस में लिखा है कि अगर माफी नहीं मांगी तो वे अमित मिश्रा पर केस कर देंगे। आर्थिक जुर्माने की भी बात लिखी है। अमित ने कहा कि राम जेठमलानी जैसे कद्दावर वकील ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारों का केस लड़ा था। इसके बाद वे सांसद और फिर देश के कानून मंत्री भी बने। फिर मैंने उन शूटर्स का केस लेकर कौन सा अपराध कर दिया, जिसकी वजह से सलमान मेरे ऊपर इतना आक्रामक हो रहे हैं? हालांकि कहा जा रहा है कि एक छोटा जवाब देकर मिश्रा ने विस्तृत जवाब के लिये महीनेभर का वक्त मांगा है।

दूसरी तरफ सलमान ने न सिर्फ इन सभी आरोपों को गलत बताया है बल्कि अपने खर्चों पर मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक सोची-समझी साजिश भी बताई है। नोटिस ने अंकित मिश्रा के बयान और एक न्यूज़ एजेंसी के न्यूज़ पीस के लिए निंदा की। सलमान की लीगल टीम की तरफ से ये कहा गया कि इन सारी चीज़ों को इसलिए किया जा रहा ताकि असल मुद्दे से भटकाया जा सके. और लोगों की सहानुभूति ली जा सके।

डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बनेगा

फाइल फोटो

एमपी नगर में अफरातफरी का तजुर्बा प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ब्रिज का मंसूबा

सड़क के ऊपर सात सौ मीटर का सेतु बनेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में यातायात के लिये ठोस प्लान नहीं होने की वजह से बीते कुछ साल से सड़कों पर काफी गफलत व वाहन चालकों की फजीहत की नौबतें हैं। इसकी वजहें नये निर्माण के लिये सभी सरकारी एजेंसियों में तालमेल का अभाव भी और अपने अपने स्तर पर प्लानिंग भी है। इसका उदाहरण हबीबगंज से एमपी नगर तक की सड़क है, जहां मुख्य सड़क के आसपास मेट्रो व वाहनों के लिए अलग-अलग ब्रिज बने हैं, इसलिए अब व्यस्त रहने वाले प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ट्रैफिक सिस्टम का खाका खींचा गया है। इसके लिए डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बनेगा। स्थानीय विधायक व मंत्री विश्वास सारंग ने मेट्रो, जिला प्रशासन, पुलिस, बिजली कंपनी और नगर निगम के अफसरों के साथ जगह का निरीक्षण भी कर लिया है। उन्होंने कहा, फ्लाईओवर ब्रिज का काम 8-9 महीने में पूरा होगा। काम के समन्वय के लिए एक टीम बनाई है। इसके बाद भोपाल रेलवे स्टेशन समेत कई इलाकों में आसानी से पहुंचा जा सकेगा।

दरअसल, प्रभात चौराहे पर मेट्रो ब्रिज और आरओबी प्रस्तावित है। इसके इससे नए भोपाल और भेल के लोगों को राहत बड़ी मिलेगी। वे रेलवे स्टेशन तक आसानी से पहुंच जाएंगे। इस क्षेत्र के लिए भी यह ब्रिज फायदेमंद साबित होगा। अभी प्रभात चौराहे पर जबर्दस्त ट्रैफिक जाम होता है। इसलिए यहां डबल डेकर फ्लाई ओवर ब्रिज बनेगा। खास बात यह कि यह थ्री टियर होगा। यानी, नीचे की सड़क पर गाड़ियां दौड़ेंगी। फ्लाईओवर ब्रिज से ट्रैफिक गुजरेगा। इसके ऊपर से मेट्रो चलेगी। फिर मेट्रो भी इस रूट पर आएगी।

11 महीने पहले से मंजूरी: दरअसल, इस ब्रिज को सरकार करीब 11 महीने पहले मंजूरी दे चुकी है। अब काम की शुरुआत होगी। सारंग ने अब काम जल्दी कराने पर जोर दिया। जानकारी के अनुसार- प्रभात चौराहे पर बनाए जाने वाले ब्रिज पर करीब 44.10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। ये 650 मीटर लंबा और 19 मीटर चौड़ा होगा।

मेट्रो के लिए अंडरग्राउंड रूट

भोपाल में मेट्रो के 3.39 किमी के अंडरग्राउंड रूट पर मिट्टी की टेस्टिंग शुरू हो गई है। अगले 1 महीने के अंदर यह काम भी पूरा हो जाएगा। इस टेस्टिंग में पता लगाया जा रहा है कि नीचे की तरफ कितनी पथरीली जमीन या पानी है। इस हिसाब से अंडरग्राउंड रूट पर काम शुरू होगा। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के पास खाली मैदान पर ही टर्नल बोरिंग मशीन से अंडरग्राउंड रूट की खुदाई होगी। यह मशीन मिट्टी की टेस्टिंग के बाद पहुंचेगी। यही मशीन 3.39 किमी अंडरग्राउंड रूट की खुदाई करेगी। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 के पास मेट्रो स्टेशन बनेगा। मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज सुभाष नगर से करोंद तक 8.77 किमी लाइन बिछाने में कुल 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इनमें 8 मेट्रो स्टेशन भी है, जबकि 3.39 किमी रूट अंडरग्राउंड होगा और इसी में 2 मेट्रो स्टेशन भी रहेंगे।

शहर में रोजाना बढ़ रहा ई-वेस्ट निष्पादन के बेहतर इंतजाम नहीं

कलेक्टर-नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के 14 सहित प्रदेशभर के 44 मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। पहला मामला भोपाल शहर में ई-वेस्ट बढ़ने और एजेंसियों के पास निष्पादन के बेहतर इंतजाम नहीं होने का है। मामले में आयोग ने कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही ई-वेस्ट निष्पादन के लिये क्या प्रबंध किये गये है, इस संबंध में एक माह में प्रतिवेदन मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि भोपाल में लगातार ई-व्हीकल की बिक्री बढ़ रही है और इसके साथ-साथ ही ई-वेस्ट भी बढ़ रहा है। सामान्य कचरे के साथ इसका निष्पादन खतरनाक है और शहर की जिम्मेदार एजेंसियों के पास ई-वेस्ट के निष्पादन के कोई ठोस इंतजाम तक नही है। इस कारण ई-वेस्ट के कारण शहरवासियों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और खतरनाक साबित भी हो सकता है। इसका निष्पादन होना अति आवश्यक है।

बारिश में बहकर बड़ी झील में मिल रहा सीवेज सिल्ट: भोपाल शहर के खानूगांव स्थित रिजवान बाग एरिया में सीवेज पंप हाउस के पास कचरा, मलबा और सीवेज सिल्ट डंप किए जाने का मामला सामने आया है। खुले में कचरा, मलबा और सीवेज सिल्ट डंप किये जाने के कारण वह बारिश में बहकर बड़े तालाब में मिल रहा है। इस कारण बड़े तालाब का पानी दूषित हो रहा है। इसी बड़े तालाब के पानी से शहर के कई इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई की जाती है। आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिवस में मांगा है।

सीवेज टैंक टूटे, हादसे की आशंका: भोपाल जिले के महाराणा प्रताप नगर जोन- 01 में रेलवे लाइन के बगल में सड़क किनारे बना सीवेज टैंक के टूटे पड़े होने का मामला सामने आया है। सीवेज टैंक टूटे पड़े होने के कारण वहा मच्छर पनप रहे है और खुले पड़े टैंक से हादसा होने की भी आशंका जताई जा रही है। आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिवस में मांगा है।

चौराहे पर सिग्नल और ट्रैफिक पुलिस न होने के कारण जाम में फंस रहे वाहन: भोपाल शहर के प्रगति चौराहे से लेकर अरेरा कॉलोनी स्थित गणपति तिराहे के बीच ट्रैफिक सिग्नल और ट्रैफिक पुलिस न होने के कारण चौराहे एवं तिराहे पर जाम के हालात बनने का मामला सामने आया है। इस कारण दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों को जाम में फंसे रहना पड़ रहा है और इस बीच उन्ड़हें कई तरह की परेशान का सामना भी करना पड़ रहा है। आयोग ने कमिश्नर, नगर निगम, भोपाल एवं डीसीपी, ट्रैफिक से प्रगति चौराहा पर सुरक्षित परिवहन हेतु कड़या व्ड़यवस्ड़था है, क्या वहां पर सिग्नल लगाया जाना प्रस्तावित है, इस संबंध में कार्यवाही कराकर तीन सप्ताह में प्रतिवेदन मांगा है।

मैदान को बना दिया कचरे का डंपिंग यार्ड: अशोका गार्डन क्षेत्र स्थित दशहरा मैदान में निगम के कर्मचारी द्वारा कचरे को डंप किये जाने का मामला सामने आया है। साथ ही मैदान में ही वाहन खड़ा किया जा रहा है। मैदान में कचरा डंप किये जाने के कारण पूरे क्षेत्र में गंदगी और बदबू फैल रही है। जिससे क्षेत्र के आसपास में रहने वाले लोगों को बदबू और गंदगी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिनों में मांगा है।

राहुल नगर में विद्यार्थियों ने किया नुक्कड़ नाटक

'पॉलीथिन को न कहो' विषय पर एक्सटेंशन गतिविधि

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में स्वच्छ भारत अभियान के तहत 'पॉलीथिन को कहो न' विषय पर एक्सटेंशन गतिविधि का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग, बॉटनी, बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने कार्यक्रम का आयोजन किया। सामुदायिक विकास केन्द्र राहुल नगर में विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक कर स्थानीय महिलाओं को पॉलीथिन के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया गया। महिलाओं को पॉलीथिन बैग की जगह कपड़े का बैग इस्तेमाल करने की सलाह दी गई और कपड़े के बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर विभाग की छात्र-छात्रांए, सभी प्राध्यापक एवं स्टॉफ मौजूद रहा।

ड्रोन संचालन पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम कार्यशाला

ड्रोन चलाने व कानून को समझा छात्राओं ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के सार्टिफिकेट कोर्स समिति, आई.आई.सी, ई-सेल, कंप्यूटर साइंस विभाग और ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया ने संयुक्त रूप से 30-दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। बी.ई.सी.आई.एल. के प्रशिक्षक अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिन्होंने मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाई। इस पाठ्यक्रम में ड्रोन प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें उड़ान गतिकी, हार्डवेयर घटक, सॉफ्टवेयर एकीकरण, और भारत में ड्रोन संचालन से संबंधित कानूनी ढांचा शामिल था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने शैक्षिक सत्र में नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना है। पाठ्यक्रम का समापन परीक्षा और एक लाइव ड्रोन उड़ान प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें छात्रओं ने अपने नवीन कौशल का प्रदर्शन किया।

छात्रों को कोचिंग से ज्यादा ई-लाइब्रेरी पर भरोसा

भोपाल। शहर में 100 से अधिक छोटी बड़ी ई-लाइब्रेरी मौजूद हैं। जिन्हें रीडिंग रूम का भी नाम दिया जाता है। एमपी नगर, सुभाष नगर और इंद्रपुरी में ऐसी कई लाइब्रेरी खुली हुई हैं। कोचिंग सेंटर की तर्ज पर खुली इन लिब्रारियों ने अब कोचिंग सेंटर को टक्कर देना शुरू कर दिया है। छात्रों को कोचिंग से बेहतर विकल्प ई लाइब्रेरी लगता है। जहां पर प्रति माह एक हजार रुपए से ले कर पांच हजार प्रतिमाह तक की फीस होती है। ई-लाइब्रेरी में पढ़ाई करने वाले छात्रों के अनुसार ई लाइब्रेरी में छात्रों को पढ़ाई के लिए निर्धारित जगह मिलती है। जहां पर वो अपने टैबलेट या लैपटॉप के मध्यम से पढ़ाई कर सकते हैं। छात्रों के अनुसार यहां जा कर पढ़ने से अनुशासन बना रहता है। कोचिंग के मुकाबले ये एक सस्ता विकल्प है। जहां पर अपने अनुसार पढ़ाई की जा सकती है। आप जितने समय चाहे यहां बीता सकते हैं। ऑनलाइन सभी कुछ मौजूद है और सही मेंटोर के गाइडेंस में पढ़ाई की जाए तो परिणाम आना निश्चित है।

शिक्षण के पहलुओं और नवाचारों पर की चर्चा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

टीचर्स के लिए 'डोमेंस ऑफ़ लर्निंग' विषय पर कार्यशाला

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल, मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल एवं चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए 'डोमेंस ऑफ़ लर्निंग' विषय पर मधुबन एजुकेशनल बुक्स के सौजन्य से विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षण के विभिन्न पहलुओं एवं नवाचारों पर चर्चा करना था। कार्यशाला में प्रमुख वक्ता कीर्ति तोलानी ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सक्रिय शिक्षण सीखने की एक विधि है जिसमें विद्यार्थी सक्रिय रूप से अपनी सभी ज्ञानेंद्रियों का प्रयोग करके अनुभवात्मक रूप से सीखने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं। सत्र में उन्होंने सभी शिक्षकों को अपनी पाठ योजना में अधिगम के उद्देश्य, रोचक गतिविधियाँ, आधुनिक तकनीक का प्रयोग, अनुभव से सीखना,परिणाम एवं मूल्यांकन आदि प्रमुख बिंदुओं का समावेश करके कक्षा में प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया। आपने कहा कि सभी शिक्षक अपने शिक्षण में दृश्य -श्रव्य साधनों का अधिक से अधिक प्रयोग करके विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति को बढ़ाएं। कार्यशाला में शिक्षण के तीन प्रमुख आयाम - ज्ञानार्जन, कौशल विकास और व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यशाला के अंत में उपस्थित सभी शिक्षकों ने अपने-अपने विषय के अनुसार पाठ योजना बनाकर मंच पर सभी के समक्ष प्रस्तुत की। कार्यक्रम के समापन पर संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी द्वारा कीर्ति तोलानी एवं मधुबन एजुकेशनल बुक्स के बृजेश का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार लता मनवानी ने किया। कार्यक्रम में एकेडमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, मधुबन एजुकेशनल बुक्स की एसोसिएड रीजनल प्रोडक्ट मैनेजर कीर्ति तोलानी, एरिया मैनेजर बृजेश, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य अमृता मोटवानी, मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, कोऑर्डिनेटर्स एवं तीनों विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | सेवासदन और जीव सेवा संस्थान की 'चिकित्सा सेवा'

स्वास्थ्य जांच शिविर में 15 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने की 250 रोगियों की सेहत की जांच, दिया परामर्श

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय और जीव सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न बीमारियों के 15 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 250 रोगियों के स्वास्थ्य का परीक्षण और उन्हें उपचार परामर्श दिया। यह शिविर साधू वासवानी स्कूल में आयोजित किया गया । इनमें से 103 नेत्र रोगी, यूरोलॉजी के 12, नाक कान गला के 41, दंत रोग के 42 तथा अन्य सामान्य बीमारियों के 52 रोगियों ने डॉक्टरों से सम्पर्क कर रोगों की जांच करवाई तथा उपचार परामर्श लिया। इनके अतिरिक्त 92 रोगियों की निःशुल्क पैथालॉजी जांचें भी की गई। मरीजों को उनकी आवश्यकतानुसार दवाइयां भी निःशुल्क प्रदान की गई । ये दवाइयां सेवा सदन अस्पताल और मंगलम फार्मेसी द्वारा उपलब्ध कराई गई।

इन डॉक्टरों ने दीं सेवाएं: शिविर में उपस्थित डॉक्टरों में जनरल फिजिशियन डॉ. सुरेश भम्भानी, डॉ. जी.टी. खेमचंदानी और डॉ. प्रीति मोतियानी, नाक कान गला के डॉ. अनिल जैन और डॉ. अंचल जैन रोगियों की जांच की और परामर्श दिया । ईको कॉर्डियोग्राफी, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. दीपक झांगियानी द्वारा की गई । हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील आसवानी, पैथालॉजिस्ट डॉ. समीर सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. कोमल दासवानी और डॉ. रोशनी ज्ञानचंदानी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति बम्हाने, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. दिलीप चोटरानी, यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सी.पी. देवानी, डॉ. सुधीर लोकवानी तथा जनरल सर्जन डॉ. अनिल गर्ग ने अपनी सेवाएं दी । प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने सभी डॉक्टर्स को संतजी के आशीर्वाद स्वरूप एक सरोपा और स्मृति चिन्ह् भेंट किया।

इस अवसर पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के मैनेजिंग ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने कहा कि संत हिरदाराम साहिब जी ने अपने जीवन काल में शिक्षित और स्वस्थ समाज की संकल्पना की थी । उन्होंने बताया कि राजधानी भोपाल तथा समीपस्थ दस जिलों के लोगों को उत्कृष्ट नेत्र सुरक्षा सेवाएं दिलाने के लिये सेवा सदन का एक सर्वसुविधा युक्त नया भवन एयरपोर्ट रोड पर निर्माणाधीन है। इस अवसर पर शिक्षाविद विष्णु गेहानी, ट्रस्टीगण तुलसी आडवानी, के.एल. रामनानी, राजकुमार मूलचंदानी, संत सेवक एल.सी. जनियानी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों की प्रोफाइल अपडेशन नहीं होने पर डीपीआई ने लगाई जमकर फटकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

समेकित छात्रवृत्ति योजना के तहत 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृत्ति योजना का क्रियान्वयन शिक्षा पोर्टल के माध्यम से किया जाता है। सत्र 2024-25 में सरकारी और निजी संस्थाओं के पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों का शिक्षा पोर्टल पर शत प्रतिशत प्रवेश के बाद प्रोफाइल अपडेशन किया जाना था, लेकिन कई विद्यार्थियों की यह कार्यवाही नहीं हो सकती है। वहीं कई ऐसे विद्यार्थी भी हैं, जिनकी त्रुटि का सुधार नहीं हो सकता है। ऐसे में स्कूल शिक्षा विभाग ने संबंधित जिलों को फटकार लगाते हुए इसके सुधार के निर्देश दिए हैं। बता दें कि बैंक खाते और प्रोफाइल अपडेशन नहीं होने से विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित हो सकता है। ऐसे में विभाग ने डीईओ, जेडी से मामले में रिपोर्ट भी मांगी है।

शिक्षा पोर्टल पर प्रवेश के बाद प्रोफाइल अपडेशन किया जाना था

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के पिता स्व. अमर सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि पर उनके सरकारी आवास पर पुण्य स्मरण कार्यक्रम एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर आदि शामिल हुए।

प्रदेश की तीनों कंपनियों में थोकबंद तरीके से हटाए जा रहे कर्मचारी

सेवाओं में कमी का ठीकरा आउटसोर्स कर्मियों पर फोड़ रही बिजली कंपनियां

आउटसोर्स कर्मियों के भरोसे चल रहा काम, निगरानी करने वाले अफसरों की कमी इसलिए, उपभोक्ता हो रहे परेशान, पीछे छुड़ाने के लिए हटाने का खेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उपभोक्ताओं को दी जाने वाली उर्जा सेक्टर की सेवाओं में लगातार शिकायतों का दौर जारी है। बिजली कंपनियों के टोल फ्री नंबर पर सुनवाई नहीं होने के बाद उपभोक्ता सीएम हेल्पलाइन जैसे प्लेटफार्म पर शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। ये खपत से अधिक के बिल देने, बिजली आपूर्ति कभी भी बंद करने, ट्रांसफार्मर खराब होने, घर तक बिजली की लाइन नहीं होने के बावजूद भी बिजली चोरी के केस लादने जैसी शिकायतें हैं जो सरकार का मुंह चिड़ा रही है। इन कमजोरियों को दूर करने के लिए विभाग के पास पर्याप्त सक्षम अधिकारी नहीं है, निचले स्तर के कई अधिकारियों को उच्च प्रभार दे रखा है। कुछ जगह जितनी संख्या में अधिकारी होने चाहिए वे नहीं है, जिसके कारण निगरानी ठीक से नहीं हो पा रही है। जिसकी सजा आउटसोर्स कर्मियों को दी मिल रही है। तीनों कंपनियां बार–बार बिजली कर्मियों को हटा रही है।कंपनियों का दावा है कि ये बिजली कर्मी कामों में लापरवाही करते हैं, रीडिंग में गड़बड़ी कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि गड़बड़ी हो रही है, इसका मतलब है कि निगरानी करने वाले अफसर अपना काम ठीक से नहीं कर रहे हैं। आमतौर पर गड़बड़ी प्राथमिक स्तर पर पकड़ी जाती है, यदि उक्त गड़बड़ी की सजा उपभोक्ताओं को मिल रही है, वे परेशान है तो इसमें व्यवस्थाओं का दोष है। कर्मचारियों को गड़बड़ी पर हटा देने

भर से व्यवस्थाएं नहीं सुधरेंगे, क्योंकि इसका कोई भरोसा नहीं कि दूसरे जिन कर्मचारियों को रखा जाएगा वे गड़बड़ी नहीं करेंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक निगरानी तंत्र को मजबूत करना करना होगा।

हड़ताल कर चुके हैं कर्मचारी

ये कर्मचारी पूर्व में हटाए जाने व अनावश्यक कार्रवाही किए जाने से नाराज होकर हड़ताल भी कर चुके हैं। तब कंपनी की परेशानी तो हुई थी ही, साथ ही उपभोक्ताओं को भी परेशान होना पड़ा था क्योंकि कंपनी के पास अलग से पर्याप्त स्थाई अमला नहीं है। लगभग सभी कंपनियां आउटसोर्स कर्मियों के भरोसे चल रही हैं। स्थाई कर्मचारी तेजी से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी ने सैंकड़ों आउटसोर्स कर्मियों को हटाया

मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी ने हाल ही में 21 आउसोर्स कर्मियों को हटाया है। कंपनी की ओर से इसकी सूचना शुक्रवार को दी गई। इसके पहले भी कंपनी इस तरह की कार्रवाही करती रही है। कंपनी ने यह भी दावा किया कि इन आउटसोर्स कर्मियों को काली सूची में डाल दिया है, अब ये किसी भी प्रभाव क्षेत्र के जिलों में काम नहीं कर सकेंग। इसमें सीहोर वृत्त में कार्यरत 14 आउटसोर्स कार्मिकों के साथ ही शिवपुरी वृत्त के 6 एवं रायसेन वृत्त में कार्यरत 1 आउटसोर्स कर्मचारी को लापरवाही और अनियमितता बरतने के कारण सेवा से पृथक किया।

स्टार्टअप के प्रति धारणा बदलने की जरूरत है: प्रो. सीसी त्रिपाठी

नितर भोपाल में अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता एवं प्रौद्योगिकी केंद्र अहमदाबाद के अधिकारियों ने किया भ्रमण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नितर भोपाल में अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (आईक्रिएट) अहमदाबाद के अधिकारियों अविनाश पुणेकर, सीईओ एवं आशीष कनोजिया, प्रौद्योगिकी सलाहकार, ने संस्थान का भ्रमण कर संस्थान निदेशक व संकाय सदस्यों के साथ बैठक की। इस भ्रमण के दौरान कौशल एवं उद्यमिता केंद्र की स्थापना, उद्यम निर्माण या इनक्यूबेशन प्रबंधन तथा भविष्य में संयुक्त कार्यक्रम किए जाने पर चर्चा की गई। निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि स्टार्टअप के प्रति धारणा बदलने की जरूरत है। स्टार्टअप्स को अक्सर जोखिम भरा और अस्थिर माना जाता है, लेकिन यह स्टार्टअप्स ही नवाचार, रोजगार और आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण स्रोत हो सकते हैं। कम लागत की स्वदेशी तकनीकों से स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत अभियान, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और निर्माण के लिए भारत को वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करते हुए, सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले निर्माण में व्यापक रूप से कार्य किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत संस्थान में आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओसेट) के लिए स्किलिंग सेंटर प्रारम्भ किया जा रहा है। इस सेंटर में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से रिलेटेड हर तरह की ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर संस्थान के डीन, प्रो. आर.के दीक्षित, प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो. पल्लवी भटनागर, डॉ. पी.के. खन्ना, प्रो. सीमा वर्मा उपस्थित थे।

किसान न्याय यात्रा

किसानों को सोयाबीन का समर्थन मूल्य 6 हजार रूपये करने व किसानों की अन्य मांगों को लेकर कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा में नेता ट्रैक्टरों पर सवार होकर अलग अलग जिलोंमें प्रशासन को ज्ञापन देने निकले। चित्र भोपाल, इंदौर,छिंदवाडा आदि में निकली न्याय यात्रा के।

भोपाल। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के हीरक जयंती,14वां दीक्षांत समारोह में डॉ. भूपेंद्र कुमार को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। भूपेंद्र कुमार अटल बिहारी वाजपेई हिंदी विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में शिक्षक पद पर कार्यरत हैं उन्होंने अनेकों पुस्तकों का लेखन कार्य किया है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री इंदर सिंह परमार, कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट व कुलगुरु प्रोफेसर रेनू जैन मौजूद थे।

सिंचाई का रकबा बढ़ाने मप्र की मैपिंग, 1 करोड़ होगा सिंचित रकबा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में सिंचाई का रकबा 1 करोड़ हेक्टेयर किया जाएगा। इस काम को आगे बढ़ाने और छूटे हुए असिंचित क्षेत्रों की मैपिंग का काम शुरू किया है। इस काम में केन–बेतवा और पार्वती–कालीसिंध–चंबल नदी लिंक परियोजनाओं का सहारा लिया जा रहा है। हजारों करोड़ की इन परियोजनाओं से न केवल सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, बल्कि प्रदेश की एक बड़ी आबादी को पीने का पानी, निस्तार का पानी भी मिलेगा। असल में अभी प्रदेश के करीब 50 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा है। सरकार इसे बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। 2026 तक सिंचाई का रकबा 65 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य है जो अगले चुनाव के पहले तक 1 करोड़ किया जाएगा। मप्र में सिंचाई के लिए पूर्व से वृहद्ध व मध्यम सिंचाई योजना कार्यरत हैं। 8 हजार से अधिक डैम भी है। फिर भी कई क्षेत्र, जिन्हें आसानी से पानी मिल सकता था, वे उक्त परियोजनाओं से छूट गए थे। हाल ही में बीना नदी सिंचाई परियोजना से छूटे 191 से अधिक गांवों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उक्त परियोजना में शामिल करने की घोषणा की है। इन गांवों के 1 लाख 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचाई की सुविधा बढ़ जाएगी। इसी तरह दूसरी परियोजनाओं में छूटे हुए आसपास के क्षेत्रों को शामिल किया जा रहा है।

ये होगा किसानों को फायदा: सिंचाई का रकबा बढ़ने से रबी फसलों का उत्पादन बढ़ेगा। आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। सिंचाई की

क्षमता बढ़ने के साथ-साथ प्रदेश के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में गर्मी के दौरान होने वाली निस्तार और पीने के पानी की कमी का संकट भी दूर होगा। अभी प्रदेश का एक बड़ा क्षेत्र रबी सीजन में पानी की कमी से बुरी तरह प्रभावित है। यहां गर्मी के दिनों में निस्तार के पानी की तक की कमी हो जाती है, कई क्षेत्र तो ऐसे हैं जहां टैंकरों से पानी की आपूर्ति देनी पड़ती है तो कुछ क्षेत्रों में कम पानी से ही गुजारा करना पड़ता है।

मेट्रो एंकर मप्र खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिकारियों के साथ की बैठक

हितग्राहियों को मिले शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ: राज्यमंत्री जायसवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल ने मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। प्रदेश के सभी जिलों से आए अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। अरेरा हिल्स स्थित मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड में हुई बैठक में राज्यमंत्री जायसवाल ने शासन की योजनाओं का हितग्राहियों को शत प्रतिशत लाभ दिलाने और शहद उत्पादन तथा सरसों के तेल उत्पादन के क्षेत्र में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बोर्ड द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं, लक्ष्य, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समीक्षा कर जिलेवार जानकारी प्राप्त की एवं अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए बधाई दी। राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि बोर्ड द्वारा चलाई जा रही योजनाओं, उत्पादों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें। जनपद पंचायत, नगर पंचायत, नगर परिषद, नगर पालिक निगम सहित अन्य जगहों पर होने वाली बैठकों में अधिकारी शामिल हों और बोर्ड द्वारा संचालित होने वाली योजनाओं के बारे में जानकारी दें।

सेल्समैनों को करें प्रशिक्षित

राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने संत रविदास मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने निगम द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा निगम द्वारा संचालित किए जाने वाले शोरूम को आकर्षित बनाने तथा सेल्समैनों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रबंध संचालक मोहित बुंदस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन के माध्यम से उत्पाद बेचने के करें प्रयास

राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि हमारे उत्पाद की बिक्री देश विदेश में भी हो हम ऐसा प्रयास करें। साथ ही यह ऑनलाइन भी बाजार में उपलब्ध रहे, इसकी भी व्यवस्था करें। सामग्री पर क्यूआर कोड भी लगाएं। बैठक में प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड श्री माल सिंह भयडिया, सहायक संचालक हाथकरघा एसएस सिकरवार, उप संचालक खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड नीरज उइके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

भरोसे की बहाली

चुनाव यूं तो लोकतंत्र का उत्सव कहा जाता है, लेकिन इस बार जम्मू-कश्मीर में जब मुद्दत बाद विधानसभा का चुनाव हो रहा है तो वहां लोगों के उत्साह और पहले दौर के मत प्रतिशत के आंकडे बहुत उजले संकेत देते हैं। यहां के लोग खुद अपने सूबे की सरकार चुनने के लिये बहुत लालायित नजर आते हैं। कुछ समय पहले जब लोकसभा चुनावों के दौरान मतदान में वहां के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था, तभी इस बात के संकेत मिल गए थे कि राज्य में राजनीति की तस्वीर व लोगों की तासीर तेजी से बदल रही है। इस बार चुनाव के पहले चरण में चौबीस सीटों के लिए हुए मतदान में 61.13 फीसद वोटिंग का आंकड़ा आया, यानि साफ है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का भरोसा अब देश के लोकतंत्र में मजबूत हो रहा है। पिछले कुछ समय से लगातार आतंकवादी गतिविधियों के बीच जिस तरह की अप्रिय घटनाएं होती रहीं, उससे आशंका जरूर बनी थी कि क्या इसका असर आम लोगों के चुनावों में हिस्सा लेने पर पड़ेगा और मतदान का फीसद कम रहेगा, मगर इस डर को लोगों ने हावी नहीं होने दिया। यहां आए दिन होने वाले आतंकी हमलों के जरिए आतंकवादी संगठन यह संदेश देने की कोशिश करते रहते हैं कि राज्य में अस्थिरता और हिंसा के बीच लोगों को चुनाव प्रक्रिया से दूर रहना चाहिए। अतीत में इस तरह की कोशिशों को कुछ कामयाबी मिली भी जब चुनाव में कभी मतदान का फीसद बेहद कम रहा था। मगर मौजूदा समय में राज्य में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से जो भी राजनीतिक प्रक्रिया चलाई जा रही है, उसमें वहां की जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया उम्मीद जगाती है। यद्यपि अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद यह आशंका थी कि वहां की जनता का रुख चुनावों में मतदान के समय शायद सकारात्मक न रहे। क्योंकि राज्य में अब भी आबादी के कुछ हिस्सों में इस मसले पर अलग-अलग विचार और असंतोष का भाव है। बल्कि यह चुनावी मुद्दा भी बना और यह माना जा सकता है कि इस सवाल ने भी लोगों को चुनाव में हिस्सा लेने और अपनी राय जाहिर करने के लिए प्रेरक शक्ति का काम किया होगा। यह बेवजह नहीं है कि न केवल मतदान केंद्रों पर लोग उम्मीद से ज्यादा संख्या में उम? कर आए, बल्कि शांतिपूर्ण तरीके से वोट डाला। जबकि एक समय चुनाव की घोषणा के बाद आतंकवादी संगठनों की ओर से मतदान का बहिष्कार करने के लिए तरह-तरह की धमकियां दी जाती थीं। इस बार भी एक ओर राज्य में चुनाव आयोजित कराने की तैयारी चल रही थी और दूसरी ओर लगातार आतंकवादी संगठनों की ओर से कहीं सीमा पर घुसपैठ का प्रयास किया जा रहा था, कहीं लक्षित हमलों में हत्याएं की जा रही थीं, तो कभी सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमले किए जा रहे थे ऐसा करके आम जनता के बीच आखिर क्या संदेश देने की कोशिश की गई? इस तरह की आतंकी हिंसा का जवाब जम्मू-कश्मीर के लोगों ने शांतिपूर्ण और उत्साहजनक मतदान करके दिया। इस लिहाज से देखें तो पहले लोकसभा, और फिर अब विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान में लंबी कतारें यह बताने के लिए काफी हैं कि लोग लंबे दौर के अशांत माहौल और आतंकवादी गतिविधियों से छुटकारा चाहते हैं और वे मानने लगे हैं कि अंतिम तौर पर वहां लोकतंत्र की बहाली के जरिए ही यह संभव होगा।

चुनाव से पहले प्रधानमंत्री के तोहफे से हैरान मत होइए

ईंधन की कीमतों में इसी तरह हेराफेरी होती है...

तेल की कीमतें जून 2022 की तुलना में लगभग 40त्न कम हैं, जब ईंधन की कीमतें प्रभावी रूप से स्थिर थीं; फिर भी, उपभोक्ताओं को इस कमी से कोई लाभ नहीं हुआ है...

■ टीसीए शरद राघवन

नरेंद्र मोदी सरकार ईंधन बाजार में अपने भारी प्रभुत्व का इस्तेमाल रणनीतिक या वित्तीय कारणों से नहीं बल्कि राजनीतिक अवसरवाद के लिए कर रही है, और इसे तुरंत रोकना चाहिए. यह कोई संयोग नहीं है कि ईंधन की कीमतें ङ्क जो जून 2022 से नहीं बदली थीं ङ्क मार्च में 2024 के आम चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से एक दिन पहले कम कर दी गईं।ईंधन की कीमतों में चुनाव से संबंधित हेराफेरी पहले भी स्पष्ट हो चुकी है. अगर आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले ईंधन की कीमतों में फिर से कमी की जाती है, तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा. यह राजनीतिक लाभ के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों का ज़बरदस्त दुरुपयोग है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। पिछले हफ़्ते अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गईं और तब से उसी स्तर पर बनी हुई हैं. भारतीय खरीददारों के लिए तेल की औसत कीमतें 73.5 डॉलर पर हैं ङ्क जो दिसंबर 2021 के बाद से सबसे कम हैं ङ्क और अंतर्राष्ट्रीय रुझान के अनुरूप आगे भी गिरने की संभावना है. सैद्धांतिक रूप से, इसका मतलब यह होना चाहिए कि भारत में ईंधन की कीमतें, जिन्हें मौजूदा तेल कीमतों के आधार पर दैनिक रूप से संशोधित किया जाना चाहिए, वह भी कम होनी चाहिए, है न? गलत. जून 2022 के बाद से उनमें बमुश्किल ही कोई बदलाव आया है।सरकार द्वारा संचालित ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ह्रस्रष्ट) ङ्क इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ङ्क बाज़ार के लगभग 95 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करती हैं. ईंधन की कीमतों से प्रभावित होने वाले तीन पक्षों ङ्क उपभोक्ता, सरकार और खुद ह्रस्रष्ट ङ्क में से निश्चित रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने उपभोक्ताओं के हितों को सबसे आगे रखा है? फिर से गलत। सितंबर 2022 से, उच्च ईंधन कीमतों की वजह से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों और सरकार को प्राथमिक तौर पर लाभ हुआ है, जो कि अक्सर उपभोक्ताओं की कीमत पर हुआ ह।.लेकिन ठीक है, चूंकि ऑयल मार्केटिंग कंपनियां ही आधिकारिक तौर पर ईंधन की कीमतें निर्धारित करती हैं, न कि सरकार, इसलिए कोई यह मान सकता है कि राजनीति और चुनावों का ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है. तीसरी बार गलत. चुनाव की तारीखों और ईंधन की कीमतों के बीच एक मजबूत संबंध है।

जून 2017 में, सरकार ने एक गतिशील ईंधन मूल्य निर्धारण नीति पेश की, जिसके तहत तेल की मौजूदा कीमत के आधार पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में प्रतिदिन संशोधन किया जाता था. मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान इस बाजार से जुड़ी, पारदर्शी व्यवस्था ने अच्छा काम किया।हालांकि, दूसरे कार्यकाल में इस तंत्र में विकृतियां दिखाई देने लगीं. दिसंबर 2022 में दिप्रिंट द्वारा किए गए विश्लेषण में पाया गया कि

ओएमसी ने विधानसभा चुनावों से पहले ईंधन की कीमतों को लगातार अपरिवर्तित रखा, लेकिन चुनाव खत्म होने के तुरंत बाद उन्हें बढ़ा दिया। जून 2022 में, ओएमसी ने गतिशील मूल्य निर्धारण नीति को पूरी तरह से त्याग दिया और ईंधन की कीमतों को स्थिर कर दिया. ईंधन की कीमतों में यह स्थिरता मार्च 2024 तक लगभग दो साल तक चली, जब उन्होंने ईंधन की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी की, और तब से उन्हें स्थिर रखा है। अब, बात यह है कि जनवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण तेल बाजार में उथल-पुथल को देखते हुए कीमतों को स्थिर रखना एक अच्छा विचार था. जून तक तेल की कीमतें 116 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ गईं, और इस वृद्धि को भारतीय उपभोक्ताओं पर डालने से उन्हें बहुत नुकसान होता। जब ऑयल मार्केटिंग कंपनियां ङ्क जो ईंधन बेचने के लिए तेल खरीदती और रिफाइन करती हैं ङ्क उच्च तेल कीमतों की अवधि के दौरान ईंधन की कीमतों को अपेक्षाकृत कम रखती हैं, तो उन्हें स्वाभाविक रूप से नुकसान होता है. चूँकि वे उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए इन घाटे को वहन करती हैं, इसलिए गतिशील मूल्य निर्धारण पर लौटने से पहले उन्हें इन घाटे की भरपाई करने की अनुमति देना उचित है. इसमें कोई विवाद नहीं है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब वे न केवल अपने घाटे की भरपाई करती हैं बल्कि भारी मुनाफा भी कमाती हैं ङ्क और सरकार को बड़े लाभांश का भुगतान करती हैं ङ्क फिर भी उपभोक्ताओं को लाभ पहुँचाने के लिए ईंधन की कीमतें कम नहीं करती हैं. बेशक, जब तक कि चुनाव नज़दीक न हों।

एक हालिया विश्लेषण में पाया गया कि उच्च तेल कीमतों के भार को वहन करने का वित्तीय प्रभाव अल्पकालिक था. जबकि सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अप्रैल से सितंबर 2022 तक दो तिमाहियों में घाटे का सामना किया, वे जल्दी ही मुनाफे में लौट आईं। वास्तव में, तीन सरकारी ऑयल मार्केटिंग कपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 में 19,086 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जिसका अर्थ है कि उस वित्तीय वर्ष की अंतिम दो तिमाहियों में अर्जित लाभ पहली दो तिमाहियों में हुए घाटे से अधिक था। यह मजबूत लाभप्रदता वित्त वर्ष 2023-24 में भी जारी रही, जिसमें सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के मुनाफे में 324 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई, क्योंकि तेल की कीमतें ईंधन की कीमतों के स्थिर रहने की तुलना में काफी कम रहीं। मुनाफे में इस वृद्धि की वजह से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने सरकार को 12,775 करोड़ रुपये का लाभांश का भुगतान किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 83 प्रतिशत की वृद्धि थी। दोबारा लाभप्रदता की स्थिति में वापस लौटने के बावजूद, ओएमसी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में केवल एक बार, 15 मार्च 2024 को, 2 रुपये प्रति लीटर की कमी करने का फैसला किया. आम चुनाव 2024 के लिए आदर्श आचार संहिता अगले दिन लागू हो गई।

तेल की कीमतें वर्तमान में जून 2022 की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम हैं, जब ईंधन की कीमतें प्रभावी रूप से स्थिर थीं, फिर भी उपभोक्ताओं को इस कमी से कोई लाभ नहीं हुआ है। इस बारे में पूछे जाने पर, सरकार ने सुविधाजनक ढंग से तर्क दिया है कि ईंधन की कीमतें सरकार द्वारा नहीं, बल्कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा निर्धारित की जाती हैं. हालांकि, ऑयल मार्केटिंग कंपनियां ईंधन की कीमतों के बारे में सारी पूछताछ पेट्रोलियम मंत्रालय से करती हैं। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को कई सवालों के जवाब देने होंगे. पहला, भारत में ईंधन की कीमतें निर्धारित करने के लिए वास्तव में कौन जिम्मेदार है? दूसरा, अगर ऑयल मार्केटिं कंपनियां ईंधन की कीमतें निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार हैं, तो उन्होंने इतने लंबे समय तक आधिकारिक गतिशील मूल्य निर्धारण नीति को क्यों त्याग दिया है? तीसरा, कीमतों में बदलाव और चुनाव की तारीखों में इतना सामंजस्य क्यों दिखता है?

अगर सरकार वास्तव में कीमतें निर्धारित कर रही है ङ्क जो कि आधिकारिक दावों के बावजूद अब तक की सबसे संभावित स्थिति है ङ्क तो उसे आधिकारिक तौर पर 2017 में अपनाई गई दैनिक मूल्य निर्धारण नीति को त्याग देना चाहिए. आप एक ऐसी आधिकारिक नीति नहीं बना सकते जो कहती एक बात है जबकि व्यवहार में वास्तविकता कुछ और ही दिखती हो।भारत में ईंधन की कीमतें तय करने के तरीके में यह बदलाव पहले शुरू की गई पारदर्शिता को खत्म कर रहा है, और एक अपारदर्शी प्रणाली की ओर बढ़ रहा है जिसमें विश्वसनीयता की कमी है. फिर भी सरकार इस गिरावट की परवाह नहीं करती है. अगर प्रधानमंत्री अगले विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले ही 'राष्ट्र को उपहार' देने की घोषणा करते हैं तो आश्चर्यचकित न हों।

साभार: द प्रिंट से, यह लेखक के विचार हैं।

'सशर्त' मुख्यमंत्री का चुनाव! क्या संवैधानिक व्यवस्था को ठेंगा नहीं ?

■ राजीव खंडेलवाल

भारतीय राजनीति में 'धूमकेतु' के समान अचानक उभरे, चमके अरविंद केजरीवाल ने लोकतांत्रिक व्यवस्था की दुहाई देते हुए 'नैतिकता' के 'भूले बिसरे पाठ' को याद करते हुए 'ईमानदारी' के प्रमाण पत्र की आवश्यकता महसूस की। परंतु इसके लिए बनाई गई संवैधानिक व्यवस्था 'न्यायालय' की शरण में जाकर कानूनी प्रक्रिया को अपना कर न्यायालय से 'ईमानदारी' का प्रमाण पत्र प्राप्त करने की बजाय जनता की अदालत (जैसे रजत शर्मा की 'आप की अदालत' हो) में जाकर स्वयं को 'दोष मुक्त' सिद्ध करने के लिये दो दिन पूर्व की गई घोषणा अनुसार इस्तीफा दे दिया। 'जेल' में रहकर मुख्यमंत्री के रूप में पहले से ही 'लंगड़े' (केन्द्र द्वारा) शासन को और 'लगडांकर', चलाकर देश में ही नहीं, बल्कि विश्व में रिकॉर्ड बनाकर सत्ता लोलुप, अनैतिकता व हंसी का पात्र बने केजरीवाल ने देश के अन्य मुख्यमंत्रियों के समान गिरफ्तार होने के पूर्व इस्तीफा देकर नैतिकता, सुचिता का परिचय नहीं दिया, जिसके झंडाबरदार होने का दावा वह जोर शोर से करते रहे हैं। इसी बीच लोकसभा के हुए चुनाव में केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से कहा था कि 'यदि वह उन्हें जेल में देखना चाहते हैं, तो भाजपा को वोट दें और बाहर देखना चाहते हैं तो आम आदमी पार्टी को वोट दें'। केजरीवाल के इस तरह स्पष्ट रूप से जनादेश मांगे जाने के बावजूद 'आप' पार्टी दिल्ली में पूरी तरह बुरी तरह से हार गई। तब आपके ही तर्कों (या कुतर्कों) के सहारे इस जनादेश के द्वारा जनता ने संवैधानिक व्यवस्था के तहत आपके विरुद्ध चल रही कानूनी प्रक्रिया पर मोहर लगा दी, ऐसा क्यों न माना जाए? 'शातिर दिमाग' वाले राजनीतिक पैंतरेबाजी के उस्ताद केजरीवाल ने इस्तीफा देकर दिल्ली विधानसभा के होने वाले, अगले आम चुनाव तक मंत्री आतिशी सिंह को मुख्यमंत्री बनाने का विधायक दल के द्वारा निर्णय करवा कर अपनी एक अलग राजनीतिक 'केजरीवाल शैली' (प्रसिद्ध गुजरात मॉडल समान) का परिचय दिया है। 5 महीने के भीतर होने वाले विधानसभा के चुनावी संग्राम में मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में आतिशी सिंह को रखकर परंतु 'मत' (वोट) केजरीवाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन करने के लिए मांग कर, 'आम आदमी पार्टी' के चुनाव जीतने पर पुनः अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद पर चुनेगी। केजरीवाल के इस ''नव प्रयोग'' की ''मूल बात'' को मुख्यमंत्री के रूप में चुने जाने पर स्वयं आतिशी ने स्पष्ट कर दिया है। स्पष्ट रूप में यह संवैधानिक व्यवस्था का दुरुपयोग है। जैसा कि उनका स्वयं का कथन है कि पूर्व में मैंने ''संविधान व गणतंत्र'' को बचाने के लिए इस्तीफा नहीं दिया।

'जनादेश' का प्रावधान 'शासन चलाने के लिए है', न कि 'नेता' के दागी व्यक्तित्व को 'धोने' के लिए बड़ा प्रश्न यहां यह है कि पहली बार लगभग 6 महीने पूर्व जब केजरीवाल जेल जा रहे थे, तभी उन्होंने विधानसभा भंग कर करने की सिफारिश कर जनादेश द्वारा अपने 'निष्कलंक' होने की दावेदारी क्यों नहीं की? तब भी वे कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रह सकते थे। लेकिन तब शायद फिर 'आतिशी' का मोहरे के रुप में उपयोग कर 'त्याग तपस्या और बलिदान' भाजपा के नारे से 'त्याग' को चुरा कर 'शीश महल' पर 45 करो? से अधिक नवीनीकरण (रिनोवेशन) पर खर्च कर रहवासी बंगले को खाली कर ''त्याग'' दिखाने का मौका कहां मिल पाताड़ क्या इन 6 महीने में केजरीवाल को यह विश्वास था कि 'न्यायिक प्रक्रिया' जो ही 'उचित प्रक्रिया' थी, के द्वारा वह आरोप से उन्मुक्त (डिस्चार्ज) कर दिए जातेड़ जो प्रार्थना न्यायालय द्वारा अस्वीकार कर दी गई। दोहरे व्यक्तित्व, चरित्र के खेवनहार ! केजरीवाल। भ्रष्टाचार के विरुद्ध लोकपाल के गठन व वापस बुलाने के अधिकार की मांग के लिए जंतर मंतर में हुए लोकप्रिय अन्ना आंदोलन से निकले पढ़े-लिखे नौकरशाह से राजनेता बने केजरीवाल राजनीति में निपुण होते-होते उसी की चाल रंग-ढंग में समाहित होकर अपने मूल व्यक्तित्व को ही भूल गए। जेल से बाहर आने पर केजरीवाल ने यह कहा कि मैं 'अग्नि परीक्षा' देना चाहता हूं और मैं 'मुख्यमंत्री' और मनीष सिसोदिया 'उपमुख्यमंत्री' तभी बनेंगे, जब 'लोग (जनता) हमें ईमानदारी का प्रमाण पत्र देंगे'। 'महाभारत' की 'अग्नि परीक्षा', 'रामचरित मानस' की 'खटाऊ राज' और 'शहीद भगत सिंह' का बलिदान, कथनों के उच्चारण मात्र से 'वैसा' व्यक्तित्व नहीं बन जाता है, बल्कि उसके लिए 'वैसा ही कट्टर आचरण' अपनाना भी होता है। इसीलिए वर्तमान राजनीति के अनुरूप बने दोहरे व्यक्तित्व के धनी सिर्फ ईमानदार नहीं, बल्कि कट्टर ईमानदार केजरीवाल को यह आत्म चिंतन करने की गहरी आवश्यकता है कि उन्हें 'ईमानदारी का प्रमाण पत्र' लेने की आवश्यकता ही क्यों पड़ रही है? 'साथी 'अन्ना' को तो नहीं पड़ी'' बड़ा प्रश्न यह उत्पन्न होता है कि क्या आप अपनी विशुद्ध राजनीतिक स्वार्थ व छुद्र उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संविधान का कानूनी रूप से दुरुपयोग कर सकते हैंड़ संविधान सिर्फ उतना ही नहीं है, जो शब्दों द्धारा लिखित है, बल्कि उससे भी बड़कर संविधान वह है, जिसमें लिखे शब्दों के पीछे निहित भावना है, जिसका सम्मान किया जाना ही वास्तव में संविधान का पालन करना माना जाएगा। निश्चित रूप से केजरीवाल की इस्तीफा देने की घोषणा से लेकर आतिशी का विधायक दल का नेता चुने जाने तक की संपूर्ण प्रक्रिया तकनीकि रूप से तो संवैधानिक है। केजरीवाल शायद यही करना चाहते हैं। वे चुनाव जीतकर 'परसेप्शन' (धारणा) द्वारा संवैधानिक व्यवस्था को 'ठेंगा' दिखाना चाहते हैं। अन्ना आंदोलन के समय, अन्ना का नहीं बल्कि केजरीवाल का यह विचार अत्यधिक वायरल होकर जनता के बीच पसंद किया गया था कि तत्कालीन संसद के आधे से भी ज्यादा (251) सांसद दागी है। समस्त 'दागी सांसद' इस्तीफा देकर, न्यायिक प्रक्रिया द्वारा दोष मुक्त होकर, और फिर चुनाव लड़कर, जीत कर, संसद में आए। परंतु केजरीवाल अपने उक्त कथनों को 'पूर्ण रूप' से नहीं, बल्कि 'अर्द्ध रूप' में ही लागू करना चाहते हैं। अर्थात सिर्फ चुनाव में जाना चाहते हैं, परंतु न्यायिक प्रक्रिया में से होकर नहीं गुजरना चाहते क्योंकि इसके आगे शायद उनका राजनीतिक स्वार्थ 'आड़े' आ जाता है। केजरीवाल शायद इस बात को भूल गए हैं कि उन्होंने अपनी गिरफ्तारी की वैधता को न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसे न्यायालय ने ईडी व 'तोता सीबीआई' के विरुद्ध की गई गंभीर टिप्पणियों के बावजूद स्वीकार नहीं किया। वह अभी मात्र जमानत पर हैं, आरोपो से उन्मुक्त (डिस्चार्ज) नहीं हुए हैं। जैसा कि वे गलत कथन करते है कि यह कानून की अदालत से इंसाफ मिला। इसलिए न्यायालयों की टिप्पणियों का सहारा लेकर वे अपने को बेदाग नहीं कह सकते हैं। जनता की अदालत 'राजनैतिक इंसाफ' देगी 'आपराधिक इंसाफ' नहीं यदि उन्हें प्रकरण में 2 साल से ऊपर की सजा हो जाती है, तब फिर केजरीवाल क्या करेंगेड़ (क्योंकि तब सदस्यता समाप्त होकर वे 6 साल के लिए चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जायेगें।) तब फिर जनादेश मानेंगे या न्यायादेशड़ आरोपी अपराधी दलबदलुओं को भाजपा में शामिल करने को लेकर केजरीवाल सहित संपूर्ण विपक्ष भाजपा को वाशिंग मशीन बताने वाले केजरीवाल अब संवैधानिक व्यवस्था चुनाव को अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए 'वाशिंग मशीन' बनाने में ही तुल (लग) गए हैं। इसलिए राजनीति का 'नॉरेटिव' तय करने में व 'परसेप्शन' बनाने में केजरीवाल नरेन्द्र मोदी से एक कदम आगे ही हैं। उपसंहार -केजरीवाल सशर्त जमानत पर है। जिन शर्तों ने केजरीवाल को एक 'लूला-लंगड़ा' मुख्यमंत्री बना दिया है। 'जनादेश' मिल जाने के बावजूद मुख्यमंत्री पद का 'लंगड़ापन' दूर नहीं हो जाएगा। वह तो मुकदमे में न्यायालय द्वारा बाईज्जत दोष मुक्त होने से ही होगा। केजरीवाल की राजनीति में कदम रखने के पूर्व अति उत्साह में की गई घोषणाएं, वचन, कथन समस्त राजनीतिक दलों और स्वयं केजरीवाल सहित समस्त नेताओं के लिए एक आत्म चिंतन का विषय है, कि परस्पर आरोपों-प्रत्यारोपों की बौछार लगाने के पूर्व 'बुद्धि' का प्रयोग अवश्य करें, अन्यथा 'आप बीती' होने पर जनता के सामने आपको स्वयं के आरोपों के कथनों के लिए शर्मिंदा होना पड़ेगा। या फिर केजरीवाल समान बेशर्म होकर दोहरा व्यक्तित्व बनना पड़ेगा। क्योंकि केजरीवाल ने आज तक अन्ना आंदोलन के समय मंच से कहे गए सुविचारों को गलत बताकर क्षमा नहीं मांगी है और न ही आज उसका पालन कर रहे हैं वैसे राजनीति में हया-शर्म, नैतिकता, आदर्श रह कहां गया है।

- यह लेखक के विचार हैं।

केवल ऊपर वाले का साथ चाहिए
रिश्तेदार तो रावण के भी लाखों थे...!!

निशाना

ना कांपे जुबान !

फायदे की खातिर ।
देते ग़लत बयान ।।
करके ऐसा उनकी ।
ना कांपे जुबान ।।
हैं जनता के सेवक ।
पर कैसा संदेश ?
उछल उछल कर खूब ।
दे रहे उपदेश ।।
है लगाम ज़रूरी ।
स्वाद भी चखाना ।।
आया कैसा काल ।
कब लेंगे हर्ज़ाना ।।
बार-बार ये इस तरह ।
क्यों रहे कुरेद ?
रहता दिल में काला ।
पहने पर सफ़ेद ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1936 गोताखोर मार्जोरी गेस्ट्रींग सबसे कम उम्र (13 वर्ष 268 दिन) के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बने।
- 1944 एक सप्ताह के बाद, वोला, वारसॉ, पोलैंड में नागरिकों की भेदभावपूर्ण हत्या के बाद, एसएस जनरल भी शेष पोल को श्रम या एकाग्रता शिविरों में भेजा जाए।
- 1944 फालाइज पॉकेट की लड़ाई का आरम्भ हुआ।
- 1950 कोरियाई युद्ध-उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के सदस्यों ने युद्ध के अमेरिकी कैदियों को कैद कर लिया।
- 1952 मास्को में तेरह यहूदी कवियों को झूठे कबूलनामे के लिए जासूसी के लिए फांसी दी गई।
- 1955 जर्मनी के विख्यात उपन्यासकार थॉमस मैन का निधन हुआ। पर्वत उपन्यास से बहुत ख्याति मिली।
- 1961 संयुक्त राज्य अमेरिका में संघीय समुद्री आयोग की स्थापना की गयी।
- 1964 आईओसी की शर्तों के कारण, अपनी %रंगभेदी नीतियों को ध्वस्त करने से इनकार सहित, दक्षिण अफ्रीका को टोक्यो में ओलंपिक खेलों से रोक दिया गया है। 28 साल के निलंबन के बाद भी 1992 में दक्षिण अफ्रीका को ओलंपिक में प्रवेश नहीं दिया गया था।
- 1969 डेरी के बोगसाइड क्षेत्र में दंगे भड़क उठे और उत्तरी आयरलैंड के पार फैल गए।
- 1971 सीरिया ने सीमा पर हो रहे विवाद के कारण जॉर्डन के साथ राजनयिक संबंधों समाप्त किया।
- 1972 तेल टैंकरों ओसवेगा गार्जियन और टेक्सानिटा स्टिलबाई, दक्षिण अफ्रीका के पास आपस में टकराए।
- 1981 आईबीएम पर्सनल कंप्यूटर, मूल संस्करण और आईबीएम पीसी संगत हार्डवेयर मंच के पूर्वज को पेश किया गया था।

सीपीई इटारसी के 2 छात्र राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में चयनित

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय सीपीई के दो छात्रों का चयन राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विद्यालय के आदित्य सराठे, तनिष चौरे का चयन केन्द्रीय विद्यालय संगठन भोपाल संभाग की राष्ट्रीय योग टीम अन्डर 14 एवं 17 वर्ष के लिए हुआ।प्रतियोगिता 23 से 27 सितंबर 2024 तक जयपुर में आयोजित की होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस से उक्त छात्र मार्ग संरक्षक हेमंत कुमार के साथ रवाना हुए।

उक्त आशय की जानकारी विद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी अभिषेक संतोरे ने दी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में इनके अच्छे प्रदर्शन के लिए विद्यालय के प्राचार्य अरविन्द कुमार राय, विद्यालय की योग प्रशिक्षिका ज्योति वर्मा एवं समस्त स्टॉफ ने बधाई प्रेषित की है।

सूअर बम खाने से बछिया के बाद अब गाय का फटा जबड़ा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

ग्राम लोखरतलाई के जंगल में आंटे की लोई में छिपा कर रखा सूअर बम खाने से गाय के मूंह जबड़ा फट गया। बताया जा रहा है कि जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए आटे की लोई में छिपा कर रखा गया थावम जो कि गाय ने खा लिया तो गाय के मूंह में ही फट गया। ग्रामीणों का कहना है कुछ दिनों पहले एक और बछिया ने भी धोखे से आटे की गोली में रखा हुआ बम खाने से उसका जबड़ा (मूंह) फट गया था कुछ दिनों तक तड़पती रही फिर उसकी मौत हो गई। गांव वालों ने बताया कि सिवनी मालवा से एक खंजर आता है और बो रात के समय में बम रखता है। जिसे शुअर के खाने से शुअर का मूंह फट जाता है और जंगली सूअर का शिकार किया जाता है।

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर

सिवनी मालवा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी के आवाहन पर किसानों की फसलों का उचित मूल्य एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आतंकवादी कहने वाले भाजपा नेताओं के प्रति दंडात्मक कार्रवाई कराने की मांग को लेकर सिवनी मालवा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा राज्यपाल के नाम एसडीएम सिवनी मालवा को ज्ञापन सौंपा गया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल ने बताया कि जो ज्वलंत समस्याएं वर्तमान में है उनमें किसानों की समस्याएं सबसे महत्वपूर्ण है कि भारी वर्षा, खाद बीज की कमी से किसानों की फसले खासतौर पर सोयाबीन, उडद, धान एवं अन्य दलहन खराब हो गई है और किसान इस समय भारी आर्थिक परेशानी से जूझ रहा है। सरकार द्वारा उनकी फसलों को 10 वर्ष पुराने भाव से ही आज भी खरीदा जा रहा है तथा किसानों को भारी भरकम बिजली के बिल दिए गए है, बिलों को जमा न करने पर उनके बिजली के मीटर काटने से लेकर उनकी मोटर पम्प आदि जब्त करने की कार्यवाही की जा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रति केन्द्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू एवं उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रघुराज सिंह द्वारा उन्हें आतंकवादी कह कर अपमान किया गया है जबकि पूरा देश जानता है कि राहुल गांधी के पिता स्व. राजीव गांधी का बलिदान एवं उनकी दादी स्व.श्रीमती इंदिरा गांधी की शहादत इस देश की सेवा करते हुए हुई है तथा उन्हीं का खून राहुल गांधी की रगो में दौड़ रहा है। भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी जी के प्रति अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने से प्रदेश के लाखो-लाख कांग्रेस जन आहत एवं दुखी है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राज्यपाल महोदय आपसे आग्रह है कि आप किसानों की फसलों का उचित मूल्य दिलाने एवं केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रघुराज सिंह के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही कराने हेतु राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश देवे 7 इस दौरान कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल छगनलाल रघुवंशी गोपाल कृष्ण शर्मा विनोद निशानियां विजय पटेल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष , मनीष देवड़ा ,स्वदेश शर्मा रामकृष्ण बांके सुरेश सूर्यवंशी अयूब अली

संभाग आयुक्त ने पथरौटा हाई स्कूल का किया आकस्मिक निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संभाग आयुक्त के जी तिवारी ने शुक्रवार को केसला ब्लाक के ग्राम पथरोटा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का प्रातः 10-48 बजे आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 29 में से 9 शिक्षक अनुपस्थित मिले। संभागायुक्त ने इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजी का निरीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि माह जुलाई अगस्त एवं सितंबर में दर्ज छात्र संख्या 332 के मान से औसतन लगभग 100 विद्यार्थी शाला में अनुपस्थित रहे हैं। शिक्षकों द्वारा अवगत कराया गया कि पर्व एवं त्योहार के दौरान छात्र अपने रिश्तेदारों के यहां चले जाते हैं या कहीं मजदूरी करने के लिए चले जाते हैं, इसलिए विद्यार्थियों की उपस्थिति कम है। संभागायुक्त ने इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि एक शिक्षक का प्रथम दायित्व है कि वह अपने विद्यार्थियों की स्कूल में शत प्रतिशत उपस्थित सुनिश्चित करें। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि वह विद्यार्थियों को मोटिवेट करें, विद्यार्थियों के शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारे केवल औपचारिकता ना पूरी करें।

संभागायुक्त ने निरीक्षण के दौरान पाया कि शाला में पदस्थ दो शिक्षक चिकित्सा अवकाश पर है। एक शिक्षक शासकीय कार्य से मुख्यालय से बाहर है, एवं प्राचार्य अरविंद देवलिया विगत 10 सितंबर से अब तक अनुपस्थित हैं और उनका सीएल का कोई आवेदन स्कूल में नहीं पाया गया। अपितु मौके पर 20 से 25 सितंबर तक के अवकाश का आवेदन पाया गया लेकिन अवकाश स्वीकृति का कोई पत्र नहीं पाया गया। इस स्थिति पर संभागायुक्त ने सख्त नाराजगी व्यक्त की ।

संभागायुक्त ने प्रभारी प्राचार्य को निर्देश दिए की वे स्कूल में नियम अनुसार सार्थक एप या फेस आईडी बायोमेट्रिक मशीन लगाए जिससे सभी शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। संभागायुक्त ने कहा कि वर्तमान में मैनुअल के आधार पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है जो की विश्वसनीय नहीं है। संभागायुक्त ने निर्देश दिए की सभी शिक्षक स्कूल खुलने के 15 मिनट पहले स्कूल में आए। संभागायुक्त ने इस स्थिति पर आश्चर्य व्यक्त किया कि अभी तक किसी भी बीईओ और बीआरसी या सहायक आयुक्त जनजातिया कार्य विभाग ने कभी भी स्कूल का निरीक्षण नहीं किया।

ओवर ब्रिज के नीचे मछली मार्केट का अवैध अतिक्रमण हटाया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट ब्रजेन्द्र रावत एवं एसडीओपी पराग सैनी एवं नगर पालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के संयुक्त टीम ने बंगाली कॉलोनी के ओवर ब्रिज के नीचे संचालित हो रहे अवैध मछली मार्केट का अतिक्रमण हटाया। इसके साथ ही ओवर ब्रिज के नीचे अन्य अस्थाई दुकाने संचालित थी जिसमें आसामाजिक तत्वों का ढेरा बना रहता था। उन सब दुकानों को भी जेसीबी से ध्वस्त किया गया। जब सिटी मजिस्ट्रेट एवं एसडीओपी अपने दल बल के साथ बंगाली कालोनी के ओवर ब्रिज के नीचे पहुंचे और सभी लोगों को अपना अवैध अतिक्रमण स्वयं हटाने के निर्देश दिए। कुछ दुकानदारों ने स्वच्छा से अपनी दुकान हटा ली एवं कुछ दुकानों को जेसीबी से ध्वस्त किया गया। जिला प्रशासन ने हिदायत दी की भविष्य में कोई भी व्यक्ति यदि ओवर ब्रिज के नीचे अतिक्रमण करता पाया गया तो उससे सख्ती से निपटाया जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा : एनसीसी व एनएसएस ने श्रमदान किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत नर्मदा कॉलेज में एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान किया गया और प्रश्न मंच का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने भारत सरकार द्वारा चलाए जाने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के महत्व पर जोर दिया तथा विद्यार्थियों को भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कोविड, मलेरिया, डेंगू आदि बीमारियों पर भी नियंत्रण स्वच्छता अभियान ही एकमात्र विकल्प बताया।प्रश्नमंच का संचालन संयोजक डॉ बी एस आर्य और उनकी टीम शबनम कुरैशी, श्रीमती मंजुला भूमरकर, चिराग झामडै, वरुण तिवारी एवं अंजलि भट्ट द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ संजय चौधरी, डॉ रवि उपाध्याय एवं एनएसएस अधिकारी डॉ एस के दिवाकर, एनसीसी अधिकारी डॉ यास्मीन खान के साथ डॉ कुमुदिनी गार्गव, डॉ आशीष तोमर, सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रश्न मंच में 40 विद्यार्थियो ने अपनी उपस्थिति दी जिसमें प्रथम स्थान पर सत्यम गुप्ता, द्वितीय स्थान पर पलक गोर, वैदेही भट्ट और एवं तृतीय स्थान पर संजना विश्वास और कशिश कुशराम रहे।

मेट्रो एंकर

आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना ने बदली लोगों की जिंदगी

दुग्ध उत्पादन का व्यापार कर आत्म निर्भर हुए

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

कहते हैं कि इरादा मजबूत हो तो रास्ते अपने आप खुल जाते हैं। सपनों को साकार करने की ललक से ही अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया सिवनी मालवा के एक कृषक ने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर जिले के पशुपालकों ने कामयाबी की नई इबारत लिखी है। जिले में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर जिले के अनेक हितग्राहियों ने दुग्ध उत्पादन एवं पशुपालन को मुनाफे का व?यापार बनाया है। कृषि प्रधान क्षेत्र कहलाने वाले सिवनी मालवा ब्लॉक अब पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में पूरे प्रदेश में अपनी नई पहचान बना रहा है।

सिवनी मालवा ब्लॉक के भिलाड़िया कला गांव के कृषक सुनील यादव ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग की आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना का लाभ लेकर अपने पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के कारोबार को नवीन ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। पशुपालक सुनील यादव बताते हैं कि उन्होंने 3 लाख 82 हजार रुपए की सहायता से पांच गायों को लेकर दुग्ध उत्पादन का व्यापार आरंभ किया था। 95 हज़ार की राशि यादव को अनुदान के रूप में प्राप्त हुई। पशुपालक सुनील यादव बताते हैं कि वर्तमान में 70 से 80 लीटर दुग्ध उत्पादन हो रहा है। उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा भी उनको पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है, विभाग द्वारा समय-समय पर पशुओं का टीकाकरण आदि समस्त आवश्यक सलाह दी जाती रहती है आज हम आत?म निर्भर हो गये है। व्यापार में उनकी पत्नी श्रीमती पिंकी यादव भी उनका पूरा सहयोग करती हैं। श्रीमती पिंकी यादव बताती है कि सरकार द्वारा प्राप्त सहायता से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार तो आया है, साथ ही स्वरोजगार से जुडने के कारण आत्मविश्वास भी बढ़ गया है। बताया जाता है की विभाग द्वारा जिले में 77 अन्य हितग्राहियों को आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना अंतर्गत 115.5 लाख रुपए का अनुदान वितरित किया गया है जिससे उन्होंने पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को आजीविका का साधन बनाया।

किसान कृषि के साथ पशुपालन से अर्जित कर रहे अतिरिक्त आय

सिवनी मालवा ब्लॉक के ग्राम झकलाए के कृषक विनय पटेल ने भी कृषि के साथ साथ साइलेज निर्माण यूनिट स्थापित एवं बकरी पालन कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। किसान विनय पटेल बताते है कि उन्होनें 500 बकरी एवं 25 बकरों के साथ एनएलएम योजना के तहत बकरी पालन का कार्य शुरू किया। जिसमें शासन द्वारा पटेल को 50 लाख रुपए की अनुदान राशि उपलब्ध कराई गई। बकरी पालन से दुग्ध उत्पादन के अतिरिक्त उन्नत नस्ल की बकरियों को आस पास के ग्रामों के पशुपालकों को क्रय भी करते हैं, जिससे उन्होंने इस कार्य को मुनाफे का धंधा बनाया है। जिले में राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत ऐसे ही चार प्रकरणों में अनुमानित एक करोड रुपए की अनुदान राशि की स्वीकृति प्रदाय की गई है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग नर्मदापुरम के उपसंचालक डॉ संजय अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि जिले में पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के लिए मांग बढ़ रही है तथा लगातार विभाग द्वारा मांगों के अनुरूप प्रकरण दर्ज करवाते हुए अनुदान राशि उपलब्ध करवाई जा रही है। इससे न सिर्फ किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है बल्कि कई अन्य लोगों को भी योजना के माध्यम से रोजगार प्राप्त हुआ है।

अंबेडकर प्रतिमा पर थूकने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

एसडीएम कार्यालय के बाहर जन आंदोलन किया जाएगा: सुभाष बोहत

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

कुरवाई डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर हमारे देश के एक महान नेता और संविधान निर्माता थे, जिन्होंने हमारे देश के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी प्रतिमा पर थूकना न केवल उनका अपमान है, बल्कि हमारे देश के संविधान और मूल्यों का भी अपमान है। पूर्व विधायक कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष बोहत एडवोकेट ने कहा कि इस तरह की घटना से हमारे समाज में व्याप्त असहिष्णुता और अपमानजनक व्यवहार की ओर इशारा करती है। ऐसी घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाना और कार्रवाई करना आवश्यक है। श्री बोहत ने इस घटना के संबंध में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और एसडीएम महोदय से अनुरोध किया हैं कि इस घटना की जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

समाज में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। डॉक्टर अम्बेडकर की प्रतिमा की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं।

श्री बोहत ने कहा कि हम इस घटना के खिलाफ एकजुट हों और समाज में शांति और सौहार्द को बढ़ावा दें। श्री बोहत कहा कि अंबेडकर प्रतिमा पर थूकने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं की गई तो एसडीएम कार्यालय के बाहर जन आंदोलन किया जाएगा।

जल संकट से भी नगर पालिका ने नहीं ली सीख

प्याऊ के पानी से धोई जा रही हैं बसें यात्री परेशान, जिम्मेदार बेखबर

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

पिछले 2 सालों से पीने के पानी को लेकर समस्या उत्पन्न हो रही है इस बार तो भीषण जल संकट का सामना नगर वासियों को करना पड़ा था इसकी जानकारी होने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा पानी को बचाने के लिए तो कदम नहीं उठाया जा रहे हैं, दूसरी ओर खुलेआम पीने वाले पानी का दुरुपयोग करने वालों को रोकने का काम भी नहीं किया जा रहा है। इस वजह से पानी को व्यर्थ में फेंकने का काम जरूर करके यात्रियों की मुश्किलें बढ़ने का काम भी हो रहा है ।कई यात्री बसों के चालक परिचालकों के द्वारा प्याऊ के पानी का दुरुपयोग किया जा रहा है यह सब नगर पालिका कार्यालय से चंद किलोमीटर की दूरी पर स्थित नवीन बस स्टैंड पर देखने को मिल रहा है जहां पर प्रतिदिन यात्री बसों को यात्रियों के लिए बनाई गई प्याऊ के पानी से निजी वाहनों को धोने का कार्य करके यात्रियों को पानी पीने से रोकने का काम भी किया जाता है। कई बार तो परिचालकों के द्वारा बड़ी-बड़ी बाल्टिया लगाकर टोटियों से पानी भरने का काम किया जाता है जिनको भरने में काफी समय लगता है। इस दौरान यात्री पानी पीने के लिए यहां पर आते हैं तो उनको मौका नहीं मिल पाता है यदि कोई इनके को हटा देता है तो उनके साथ विवाद भी करने लगते हैं। यह हालत पिछले कई दिनों से देखने को मिल रहे हैं रात में तो यहां पर प्याऊ का पानी पूरी तरह से वाहनों को धोने में किया जाता है दिन में भी इसी तरह का कार्य की जा रहा है । इसकी जानकारी होने के बाद भी नगर पालिका परिषद प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी अनजान बने हुए या फिर इनकी अनदेखी का फायदा इन वाहनों के चालकों और परिचालकों के द्वारा जल का दुरुपयोग किया जा रहा है। जो पानी पीने के लिए दिया जा रहा है उस पानी से वाहनों को धोने का काम खुलेआम करके पानी की बर्बादी की जा

रही है इसको रोकने के लिए जिम्मेदारियां को धरातल पर कार्य करना चाहिए पर ऐसा नहीं हो रहा है। नगर पालिका जल विभाग के अधिकारियों ने तो खुली छूट पानी का दुरुपयोग करने वालों को दे रखी है जगह-जगह लाइन में से भी अपनी बर्बाद हो रहा है , जिनको ठीक करने में भी कई दिन बीत जाते हैं इस तरह चोरी छुपे पानी की सप्लाई भी हो रही है कई वाहन धोने वाले के द्वारा भी पानी का दुरुपयोग करके नगर पालिका को चूना लगाने का काम किया जा रहा है। जिसकी पोल पिछले दिनों खुली थी फर्जी तरीके से नल कनेक्शन से पानी लेकर पानी चोरी किया जा रहा इनकी जांच करने के लिए कोई नहीं पहुंच रहा है।

यात्रियों के लिए बनाई प्याऊ का वाहनों के लिए उपयोग -

प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में यात्री नवीन बस स्टैंड पर आते हैं उनकी सुविधा के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा लाखों रुपए की राशि से प्याऊ का निर्माण करवाया गया कि जिसका फायदा आम यात्री को मिलना चाहिए पर यहां पर कुछ और ही हो रहा है ।कई वाहन चालकों के द्वारा अपने बसों ट्रैकों को इसी पानी से धोने में किया जा रहा है। इस वजह से यात्रियों को पीने के पानी के लिए परेशान भी होना पड़ता है।

गंदगी करने का भी करते हैं कार्य -

अधिकांश वाहन चलाको तथा आसपास के कई दुकानदारों के द्वारा भी बस स्टैंड पर गंदा पानी फेंकने से लेकर कचरा करने का काम किया जाता है इस वजह से बस स्टैंड साफ स्वच्छ नहीं हो पा रही है। बस स्टैंड पर कचरा फेंकने वाले तथा कीचड़ करने वालों पर नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को कार्रवाई करनी चाहिए जिनके द्वारा बस स्टैंड को गंदा किया जा रहा है उन पर जुर्माना भी लगाना होगा तभी बदलाव होगा नहीं तो इसी तरह वाहनों को धोने से बस स्टैंड गंदी होती रहेगी।

इनका कहना है-

जिनके द्वारा भी प्याऊ के पानी का उपयोग वाहनों को धोने में किया जा रहा है उनकी जांच करवा कर हम कार्रवाई करेंगे बस स्टैंड को गंदा करने वालों को पहले समझाईस देंगे इसके बाद नहीं मानते हैं तो जुर्माना भी लगाएंगे।

***राम प्रकाश साहू** प्रभारी सीएमओ*

खबर के बाद जागे, नपा के अधिकारी, मवेशियों को ले जाने का काम फिर किया शुरू

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

दोपहर मेट्रो
खबर का असर

पुरानी डिपो पर अस्थाई रूप से गौशाला का निर्माण हमारे संवादाता की खबर के बाद एसडीएम के निर्देश पर नगर पालिका परिषद के द्वारा किया गया है। जहां पर 500 से अधिक मवेशियों को रखने की जगह है पर नगर पालिका परिषद के अधिकारियों के द्वारा जिन कर्मचारियों को इन मवेशियों को सड़कों पर से ले जाकर इस अस्थाई को गौशाला रखने की जिम्मेदारी दी गई है उनके द्वारा अपने को जिम्मेदारी से नहीं किया जा रहा था उसके चलते सड़कों पर मवेशियों की संख्या कम नहीं हो रही है। रात्रि में मवेशियों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है मवेशी भी घायल हो रहे हैं। जनहित में एक बार फिर संवादाता ने शुक्रवार के अंक में नगर पालिका ने अस्थाई गौशाला में चुनिंदा मवेशियों को रखकर कर दी खानापूर्ति के साथ खबर का प्रकाशन किया इसके बाद शुक्रवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने नगर पालिका सीएमओ को आवारा मवेशियों को सड़कों से एकत्रित करवाकर अस्थाई गौशाला में रखवाने के लिए निर्देशित किया इसके बाद नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू के निर्देश पर कर्मचारी मवेशियों को सड़कों पर से ले जाने के लिए कार्य करते हुए न नजर आये श्री साहू ने बताया कि रात्रि में भी मवेशियों को सड़कों पर से ले जाकर अस्थाई गौशाला में रखने का कार्य करेंगे एक भी मवेशी सड़क ना देख ऐसा प्रयास करेंगे लगातार अभियान चलेगा।

ग्राम पचायता म बना है गौशालाएं फिर ग्रामीण रातों में छोड़ जाते है आवारा मवेशी को शहर में - ज्ञात होकि हर पंचायत में सरकार द्वारा गौशालाएं बनाई गई है जिनके संचालन के लिये सरकार करोड़ों रूपये खर्च कर रही है परन्तु सूत्रों की माने तो जमीनी हकीकत यह है की गौमाता के लिये आने वाले पैसा का उपयोग सही नहीं किया जा रहा है इसकी जब निष्पक्ष जाँच हो तो सिरोंज ब्लाक में बहुत बड़ा घोटाला सामने आ सकता है अकसर यह देखा जा रहा है अपने खेतों में नुकसान न हो ग्रामीण आवारा मवेशियों को शहर में छोड़ जाते है जिस कारण शहर में आवारा मवेशी की संख्या कम नहीं हो रही है इसी प्रकार कई लोग दिन में अपनी निजी गायें, बकरियां आदि को घर से बाहर सड़कों पर छोड़ देते है और शाम को घर लाकर दूध निकालते है इनके खिलाफ सख्त कार्रवाही होना चाहिये जिससे रोडों पर मवेशी की संख्या कम हो।

शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड जारी करें: कलेक्टर

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले के सहरिया जनजाति वर्ग के शत प्रतिशत हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड जारी करने के निर्देश जारी किए गए है। निर्देशो के अनुपालन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हित हितग्राहियों के डोर-टू-डोर प्रातः सम्पर्क कर आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्यो को प्राथमिकता से संपादित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना की जिला नोडल अधिकारी ने बताया कि विदिशा जिले में चिन्हित सहरिया जनजाति वर्ग के 5935 नागरिको को आयुष्मान कार्ड जारी किए जाने है जिसमें सर्वाधिक बासौदा विकासखण्ड में 2979, ग्यारसपुर में 730, कुरवाई में 268, लटेरी में 105, नटेरन में 721, सिरोज में 472 तथा विदिशा विकासखण्ड में 660 हितग्राहियो को आयुष्मान कार्ड जारी किए जाने हैं। नोडल अधिकारी व जिला संयोजक श्रीमती पारूल जैन ने बताया कि संबंधित विकासखण्ड के अधिकारियों को ग्रामवार हितग्राहियों की सूची उपलब्ध कराई गई है ताकि उन्हें सम्पर्क कर आयुष्मान कार्ड जारी करने में कहीं किसी भी प्रकार की दिक्कतो का सामना ना करना पडें।

खाद्य पदार्थों की जांच कर सैंपल लिए गए, छात्र-छात्राओं को मिलावट संबंधी जानकारी दी गई

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में विदिशा जिले में खाद्य पदार्थों का परीक्षण कार्य सतत जारी है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों से सैंपल एकत्रित कर जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला भेजे जाने की कार्यवाही करने के साथ-साथ आम नागरिकों व विद्यार्थियों को खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट संबंधी जानकारी प्रदाय की जा रही है। इसी क्रम में आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती किरण एम श्रीवास्तव द्वारा मोबाइल फूड टेस्टिंग प्रयोगशाला द्वारा जन जागरण के अंतर्गत अटारी खेजड़ा स्थित संस्कार शिशु विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अटारी खेजडा में छात्र-छात्राओं को मिलावट संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही अटारी खेजड़ा स्थित पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राथमिक खंड के मध्यान भोजन निर्माण स्थल का निरीक्षण किया जाकर छात्र-छात्राओं को वितरित किए जा रहे भोजन का सैम्पल जांच हेतु संग्रहित किया है। इसके साथ ही मनोरा स्थित दुग्ध शीत केंद्र का निरीक्षण कर दूध का नमूना जांच हेतु लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बीएमसी केंद्र पर पहुंचने वाले दूध की जांच की गई।

समर्थन मूल्य पर उपार्जन हेतु कृषकों का पंजीयन चार अक्टूबर तक जारी रहेगा

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

शासन की उपार्जन योजना अंतर्गत खरीफ मौसम वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार, बाजरा फसलों के उपार्जन हेतु कृषकों के पंजीयन ई-उपार्जन पोर्टल पर 19 सितम्बर से शुरू हो गया है। पंजीयन कार्य 04 अक्टूबर 2024 तक जारी रहेगा। पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था अंतर्गत खरीफ मौसम अंतर्गत किसान अपना पंजीयन ष्एमपी किसान एपश् एवं सहकारी समिति कार्यालय द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर करा सकेंगे।

विदिशा जिले में कुल 38 केन्द्रों पर पंजीयन कार्य निःशुल्क किया जाएगा। तहसीलवार संख्यात्मक जानकारी तदानुसार तहसील विदिशा ग्यारह, विदिशा नगर एक, बासौदा चार, त्योंदा दो, ग्यारसपुर दो, गुलाबगंज चार, कुरवाई तीन, पठारी एक, नटेरन दो, शमशाबाद में दो, सिरोंज में चार, लटेरी में दो इस प्रकार कुल 38 पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं।

सशुल्क व्यवस्था - सशुल्क व्यवस्था अंतर्गत एमपीऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोकसेवा केन्द्र अथवा निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे पर 50 रूपये शुल्क अदा कर पंजीयन कराया जा सकता है।

आवश्यक दस्तावेज - कसान पंजीयन हेतु निम्नानुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर निःशुल्क अथवा संशुल्क भुगतान कर पंजीयन करा सकेंगे। इसके लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र के साथ -साथ आधार कार्ड, मोबाईल नम्बर,सदस्य समग्र आईडी तथा भू ऋण पुस्तिका अथवा खसरा बी-1 की छायाप्रति संलग्न करनी होगी। इसके अलावा बैंक खाते की छायप्रति (जनधन, अक्रियाशील, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होगे।

सिकमी बटाईदार कृषकों हेतु - सिकमी बटाईदार कृषक होने की स्थिति में निर्धारित सिकमी बटाईदार का अनुबंध पंजीयन समय प्रस्तुत करना होंगे जिनके अभिलेख पंजीयन केन्द्रों पर सुरक्षित रखे जायेगे। गिरदावरी में प्रदर्शित खसरों पर दर्ज फसल एवं बोए गए सिंचित ध् असिंचित रकबे का पंजीयन किया जा सकेगा। किसान गिरदावरी में दर्ज भूमि के रकबे, बोई गई फसल एवं फसल की किस्म से संतुष्ट न होने पर पंजीयन के पूर्व (निर्धारित समयावधि में) किसान द्वारा भूमि, बोई गई फसल एवं फसल की किस्म में संशोधन हेतु गिरदावरी में दावा आपत्ति करना होगा। सिकमी ध् बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी सगिति एवं सहकारी विपणन संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी, ऐसे शत-प्रतिशत किसान का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जावेगा। पंजीयन कराने के और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का सत्यापन अनिवार्य होगा।

मेट्रो एंकर — सदस्यता अभियान की समीक्षा करने सिरोंज पहुंचे भाजपा प्रदेश सहप्रभारी

सनातन संस्कृति बचेगी तो ही देश बचेगा, भाजपा के सदस्यता अभियान के माध्यम से संगठन को मजबूत बनाने का काम करें कार्यकर्ता : उपाध्याय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भारतीय जनता पार्टी संगठन प्रदेश के सहप्रभारी सतीश उपाध्याय शुक्रवार की दोपहर को सिरोंज पहुंचे। अल्प सूचना पर यहां उन्होंने नगर एवं ग्रामीण मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं से साथ बैठक करके संगठन महापर्व के अंतर्गत सदस्यता अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को भारतीय जनता पार्टी संगठन से जोड़ने के लिए प्रभावी रूप से काम करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे सेवा सप्ताह के अंतर्गत महामाई मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता भी की। दोपहर करीब एक बजे जिलाध्यक्ष राकेश जादौन के साथ सिरोंज पहुंचे प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय की भाजपा कार्यकर्ताओं ने महामाई गेट पर आगवानी की इसके बाद वे महामाई माता मंदिर पहुंचे। महामाई मंदिर पूजा अर्चना उपरांत वे विधायक उमाकांत शर्मा के निवास पर पहुंचे, यहां भोजन के उपरांत आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं से संगठन महापर्व एवं सेवा स्वच्छता अंतर्गत सेवा ही संकल्प के विषय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवीन सदस्यता लेकर अभियान का शुभारंभ किया था। उन्होंने वर्तमान समय को भारतीय जनता पार्टी का स्वर्णिम काल बताते हुए कहा की पंच से लेकर प्रधानमंत्री तक एवं सभी महत्वपूर्ण संस्थाएं हमारी है सबसे ज्यादा वर्ग प्रतिनिधित्व,युवा भाजपा के हैं। जिनके बलबूते पर हम देश की सनातन संस्कृति,आध्यात्म,प्राचीन जीवन शैली,के साथ भारत देश को विश्व की तीसरी बड़ी महाशक्ति

बनाने में कामयाब हुए हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा की लोकसभा चुनाव मे शत प्रतिशत परिणाम देकर 29 कमल के फूल केंद्र की झोली में तो डाले है सनातन को हमेशा चुनौती देने वाले राजगढ़ के नेता दिग्विजय सिंह की सम्मान से विदाई भी की है। केंद्र को इस प्रदेश संगठन से बड़ी आशा है। लेकिन अभी हम संगठन के तय लक्ष्य से काफी पीछे है हमारे साथ सरकार की अनेकों जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी हैं बस हम सबको उनके परिवारों तक जाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अगले दो दिनों में सभी मोर्चा प्रकोष्ठों ,संगठन पदाधिकारियो से सघन अभियान चलाकर सदस्यता के प्रतिशत को बडाने का आव्हान करते हुए स्वदेशी, आध्यात्म, संस्कृति को अक्षुण्य बनाए रखने का संकल्प भी दिलाया।

उन्होंने विधायक उमाकांत शर्मा की भी प्रशंसा करते हुए कहा की आधुनिक जीवन शैली में भी आपने अपने पूर्वजों की संस्कृति, परंपराओं को बखूबी संभाल रखा है। जब तक हमारी सनातन संस्कृति बचेगी तब ही हमारा देश बचेगा। इस मौके पर विधायक शर्मा ने संगठन के कार्यकर्ताओं की ओर से उपाध्याय का शाल श्रीफल,सिरोंज की प्रसिद्ध दरी एवं मिष्ठान,स्मृति चिन्ह देकर सम्मान भी किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री मुकेश तिवारी, मनोज साईनाथ, जितेंद्र बघेल, सचिन शर्मा सहित भाजपा संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

नगर मंडल की आयोजित हुई बैठक - भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता से जोड़ने के लिए अभियान कों गति प्रदान करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की एक बैठक का आयोजन गुरुवार देर रात को किया गया। संस्कार गार्डन में आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान के जिला प्रभारी मुकेश तिवारी एवं विधायक उमाकांत शर्मा ने प्रदेश संगठन द्वारा तय लक्ष्य के अनुरूप सदस्यता करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। गुरुवार देर शाम को निजी गार्डन में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि संगठन ने इस बार विगत विधानसभा चुनाव में प्राप्त मतों से 75 प्रतिशत की सदस्यता करने का लक्ष्य सिरोंज लटेरी विधानसभा को प्रदान किया है। हम सभी कार्यकर्ताओं को निश्चित समय में सदस्यता के इस महाअभियान में सहभागी होकर अपने गांव मोहल्ले बूथ केंद्रों तक पहुंचकर प्रत्येक परिवार के सदस्यों को सदस्यता दिलाना है। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव,पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अंत्योदय के कल्याण के लिए एवं समाज के सभी वर्गों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओ से जोड़कर जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का काम किया है। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी पुनः भारतीय जनता पार्टी संगठन को सबसे बड़े राजनैतिक दल के रूप में बनाना है। बैठक के दौरान जिला महामंत्री मुकेश तिवारी ने दो सौ से अधिक सदस्यता करने वाले कार्यकर्ताओं का पटका पहनाकर सम्मान भी किया।

चेन्नई टेस्ट: आकाश दीप ने जाकिर के बाद मोमिनुल को बोल्ड किया

पंत-गिल शतक के करीब, लंच तक भारत की लीड 432 रन की

चैन्नई. एजेंसी

इंडिया वर्सेस बांग्लादेश चेन्नई टेस्ट के तीसरे दिन का पहला सेशन भारत के नाम रहा। शुभमन गिल और ऋषभ पंत की जोड़ी ने पहले सेशन में बिना कोई विकेट खोए 124 रन जोड़े। लंच ब्रेक तक भारत का स्कोर दूसरी पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 205 रन हो गया है, भारत की बांग्लादेश पर लीड 432 रनों की है। ऋषभ पंत 82 तो शुभमन गिल 86 रन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। टीम इंडिया की नजरें तीसरे दिन मेहमानों को 500 से अधिक रन का टारगेट देने पर होगी। बता दें, टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में रविचंद्रन अश्विन के शतक और रविंद्र जडेजा व यशस्वी जायसवाल की फिफ्टी के दम पर 376 रन बोर्ड पर लगाए। इसके जवाब में बांग्लादेश पहली पारी में 149 रनों पर ही सिमट गया। भारत को पहली पारी के बाद 227 रनों की बढ़त मिली थी। तीसरे दिन का लंच ब्रेक हो गया है। भारत ने पहले सेशन में बिना कोई विकेट खोए 124 रन बनाए। भारत का स्कोर दूसरी पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 205 रन हो गया है, भारत की बांग्लादेश पर लीड 432 रनों की है। ऋषभ पंत 82 तो शुभमन गिल 86 रन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

बाल-बाल बचे पंत: शाकिब अल हसन के 49वें ओवर की आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट लगाने गए ऋषभ पंत गेंद को हवा में खड़ी खर बैठे। शांतो ने उनका कैच टपकाया और पंत को जीवनदान मिला। ऋषभ पंत और शुभमन गिल की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत की लीड 400 के पार की हो गई है। गिल 75 तो पंत 66 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद।

मेहदी हसन मिराज पर बरस रहे पंत-गिल

पंत और गिल की जोड़ी मेहदी हसन मिराज को सेट होने का मौका नहीं दे रही है। 46वें ओवर में पंत ने उनका स्वागत चौके के साथ किया, वहीं ओवर का अंत गिल ने छक्के के साथ किया। गिल 75 तो पंत 55 के निजी स्कोर पर पहुंच गए हैं। कार एक्सीडेंट के बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे ऋषभ पंत ने दूसरी पारी में 50 रन पूरे कर लिए हैं। उनका फॉर्म में लौटना भारत के लिए अच्छी खबर है। इसी के साथ टीम इंडिया का दूसरी पारी में स्कोर भी 150 के पार पहुंच गया है।

पंत-गिल के बीच शतकीय साझेदारी

47वां ओवर लेकर आए शाकिब अल हसन की पहली गेंद पर ऋषभ पंत ने चौका लगाया। इसी के साथ उनकी शुभमन गिल के साथ चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हो गई है। ये दोनों फ्यूचर सुपरस्टार क्या शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं।

भारत की जबरदस्त खेल

38 ओवर के बाद भारत का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 129 रन हो गया है। गिल 57 तो पंत 36 रन बनाकर मौजूद हैं। भारत की बांग्लादेश पर लीड भी 356 रन की हो गई है। तीसरे दिन के खेल का आधा घंटा होने को है और ऋषभ पंत व शुभमन गिल ने अपने पैर जमा लिए हैं। दोनों बल्लेबाज अब तेजी से रन बनाने के लिए तैयार हैं। पंत अभी तक दो चौके लगा चुके हैं, वहीं गिल ने दो छक्के लगाए हैं। पारी का 26वां ओवर लेकर आए मेहदी हसन मिराज की चौथी गेंद पर ऋषभ पंत ने बैकफुट पर जाकर मिड विकेट और मिड ऑन के बीच चौका लगाया। पंत इसी के साथ 19 के निजी स्कोर पर पहुंच गए हैं। तीसरे दिन का आगाज करने शुभमन गिल और ऋषभ पंत की जोड़ी मैदान पर उतर गई है। बांग्लादेश के लिए गेंदबाजी की शुरुआत मेहदी हसन मिराज करेंगे। भारत के खिलाफ पहली पारी में 5 विकेट हॉल लेने वाले हसन महमूद से बांग्लादेश को दूसरी पारी में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

मेट्रो बाजार

सालाना 11,000 करोड़ तक का बोझ परिवारों पर डालते हैं 'फूड एग्रीगेटर'

मुंबई. एजेंसी

देश में भले ही क्विक डिलिवरी सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान होने से समय की बचत हो रही हो, लेकिन उसकी लागत भारतीय परिवारों का घरेलू खर्च बढ़ा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रमुख फूड एग्रीगेटर द्वारा वसूले गए प्रीमियम के कारण परिवारों को कुल मिलाकर 9,000 से 11,000 करोड़ रुपए की वार्षिक लागत का बोझ उठाना पड़ता है। 'अनकवरिंग हिडेन कॉस्ट्स ऑन इंडियाज एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म्स' शीर्षक के तहत जारी इस रिपोर्ट में एजेंसी ने फूड एग्रीगेटर सेवाओं की अधिक कीमतों और उसमें छिपी हुई लागत को उजागर किया गया है। इसमें डिलिवरी शुल्क, पैकेजिंग शुल्क और जोमैटो गोल्ड जैसी प्रीमियम सदस्यता की उपयोगिता शामिल है। रेस्तरां के अपने चैनल के जरिए दिए गए डिलिवरी ऑर्डर के मुकाबले औसत एग्रीगेटर प्रीमियम 46 रुपए प्रति व्यंजन (छिपी लागत) है। इस प्रकार, प्रमुख शहरों में रहने वाले औसत भारतीय परिवार पर सालाना करीब 12,000 रुपए का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। हालांकि 46 फीसदी रेस्तरां अपने स्वामित्व वाले चैनलों पर कोई डिलिवरी शुल्क नहीं लेते हैं।

घरेलू खर्च पर असर

- 12,000 रुपए से ज्यादा वित्तीय बोझ पड़ता है सालाना एक परिवार पर
- सेवाओं की छिपी हुई लागत को रिपोर्ट में किया उजागर
- 46 रुपए प्रति व्यंजन प्रीमियम की वसूली
- 200 फीसदी अधिक डिलीवरी शुल्क की मार
- 02 रुपए अधिक लेते हैं एग्रीगेटर सामान्य पैकिंग पर

भारत ने चीन को दी शिकस्त, निवेश में भारत का वेटेज बढ़ा

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है और इसके साथ ही देश कई मोर्चों पर उड़ान भर रहा है। भारत ने एमएससीआइ इमर्जिंग मार्केट्स इन्वेस्टेबल मार्केट इंडेक्स में चीन को पछाड़ दिया है। वर्ल्ड इन्वेस्टेबल इंडेक्स में भारतीय शेयरों का वेट चीन के 2.24 फीसदी के मुकाबले 2.35 फीसदी पर पहुंच गया। भारत के बाजारों के लगातार बेहतर प्रदर्शन से यह संभव हुआ है। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर चीन की आर्थिक वृद्धि से तीन गुना से भी अधिक है। एमएससीआइ इंडेक्स से फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स प्रभावित होते हैं।

'अमेजन फेस्टिव बॉक्स' से त्योहारी सेल में जुड़ने का मिलेगा मौका

भोपाल. दोपहर मेट्रो

अमेजन इंडिया एक असाधारण इंटरैक्टिव अनुभव लेकर आया है, जो आगामी ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल के साथ जुड़ने का एक नया तरीका प्रदान करता है। इस अनूठे एक्टिवेशन में ग्राहक अपने किसी प्रियजन को उपहार देने की योजना को पूरा कर सकते हैं। इसके लिए अमेजन इंडिया ने औरा मॉल में 'अमेजन फेस्टिव बॉक्स' स्थापित किया है। यह जानकारी अमेजन बिजनेस के डायरेक्टर मितरंजन भादुड़ी ने मीडिया से चर्चा करते हुए दी। उन्होंने बताया कि बिजनेस की दृष्टि से भोपाल हमारे लिए विशेष स्थान रखता है। इसीलिए यहां अमेजन फेस्टिव बाक्स स्थापित किया गया है।

चैंपियंस लीग: क्लब बुर्गेस को 3-0 से हराया

क्रिकेट छोड़ फुटबॉलर बने जेमी गिटेंस के दो गोल से बोरुसिया डोर्टमंड जीता

बुर्गेस (बेल्जियम). एजेंसी

अपने पिता की इच्छा के विरुद्ध जेमी गिटेंस ने क्रिकेट छोड़कर फुटबॉलर बनने का फैसला किया था जो आज उनके लिए सही साबित हो रहा है। इंग्लैंड के 20 साल के युवा खिलाड़ी इस सीजन में जर्मनी के शीर्ष क्लब बोरुसिया डोर्टमंड के लिए खेल रहे हैं। यूएफा चैंपियंस लीग में बोरुसिया डोर्टमंड के पहले ही मुकाबले में गिटेंस ने सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर खेलते हुए दो गोल दागे। उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर डोर्टमंड ने बेल्जियम के क्लब बर्गेस को 3-0 से हरा दिया। गिटेंस ने बताया था कि पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण उन पर क्रिकेटर बनने का दबाव था, लेकिन उन्होंने अपने दिल की सुनी और फुटबॉल को चुना, जिससे वे बेहद प्यार करते थे।

पहली पारी : विलियमसन, लैथम और मिचेल की फिफ्टी

गाले टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड 340 रन पर ऑलआउट, 35 रन की मिली बढ़त

गाले. एजेंसी

न्यूजीलैंड की तरफ से विलियमसन, लैथम और मिचेल ने हाफ सेंचुरी लगाई। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच गाले में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है। मुकाबले के तीसरे दिन न्यूजीलैंड की टीम 340 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से केन विलियमसन ने 55 और टॉम लैथम ने 70 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से प्रभाथ जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 4 और रमेश मेंडिस ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 305 रन बनाकर ही सिमट गया था। टीम से कमिंडु मेंडिस ने 114 रन बनाए। न्यूजीलैंड से पहली पारी में तेज गेंदबाज विलियम ओरूर्क ने 55 रन देकर 5 विकेट लिए। ग्लेन फिलिप्स 49 पर नॉटआउट न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के 255 रन से आगे खेलना शुरू किया। डेरिल मिचेल और टॉम ब्लंडेल ने 129 बॉल पर 73 रन जोड़े। मिचेल ने 57 और ब्लंडेल ने 25 रन बनाए, वहीं ग्लेन फिलिप्स ने तेजी से खेलते हुए नाबाद 49 रन बनाए। आखिरी विकेट के लिए उन्होंने विलियम ओरूर्क के साथ मिलकर 36 रन जोड़े। श्रीलंका से प्रबाथ जयसूर्या को 4, रमेश मेंडिस को 3 और धनंजय डी सिल्वा को 2 विकेट लिए। श्रीलंका ने 3 रन बनाने में 3 विकेट गंवाए श्रीलंका ने दूसरे दिन 302/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया।

आईपीएल ऑक्शन नवंबर में विदेश में होने की संभावना

नईदिल्ली. एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन का ऑक्शन नवंबर में विदेश में हो सकता है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर के तीसरे या चौथे हफ्ते के में ऑक्शन का आयोजन किया जा सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल की टीमों को इस संभावना के बारे में संकेत दिया है। आईपीएल के सूत्र ने क्रिकबज को बताया, पिछले साल की तरह इस बार भी नीलामी का आयोजन मिडिल ईस्ट में होने की संभावना है। पिछले साल की नीलामी दुबई में हुई थी और अगर इस बार किसी गल्फ सिटी जैसे दोहा या अबू धाबी में आयोजित की जाती है तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। सऊदी अरब, जो हाल ही में क्रिकेट सहित खेलों में भारी निवेश कर रहा है, नीलामी की मेजबानी करने में भी रुचि रखता है। पिछला ऑक्शन दुबई में हुआ था आईपीएल 2024 की नीलामी 23 दिसंबर को दुबई में हुई। ऐसा पहली बार हुआ, जब आईपीएल का ऑक्शन देश से बाहर हुआ। टीमों के रिटेंशन नियमों का इंतजार आईपीएल की टीमें नीलामी से पहले रिटेंशन नियमों की घोषणा का इंतजार कर रही हैं। बोर्ड ने उन्हें इस घोषणा में देरी के बारे में सूचित किया है। इन नियमों की घोषणा महीने के अंत तक होने की उम्मीद है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

'स्टॉर्मराइडर' से जैकलीन ने संगीत की दुनिया में रखा पहला कदम

जैकलीन फर्नांडीज अभिनय से ज्यादा अपने डांस मूव्स के लिए प्रसिद्ध हैं। जैकलीन ने अपने पहले एकल स्टॉर्मराइडर के साथ संगीत की दुनिया में कदम रखा है, जिसमें उन्होंने गाने के माध्यम से अपने निजी जीवन के सफर को प्रदर्शित किया है। जैकलीन फर्नांडीज ने अपने बहुप्रतीक्षित डेब्यू सिंगल, स्टॉर्मराइडर की रिलीज के साथ एक बार फिर सुर्खियां बटोरी हैं। चिट्टियां कलाइयां, जुम्मे की रात और गेंदा फूल जैसे बॉलीवुड हिट गानों के लिए मशहूर जैकलीन ने दर्शकों का दिल हमेशा ही जीता है। उनके म्यूजिक वीडियो प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है और अब यह सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जैकलीन ने इस गाने के जरिए सिंगर के रूप में संगीत की दुनिया में कदम रखा है। सितंबर का महीना जैकलीन के लिए यादगार साबित हुआ है, क्योंकि हाल ही में उन्होंने अपनी आने वाली हॉलीवुड फिल्म किल एम ऑल के ट्रेलर की रिलीज के साथ सुर्खियां बटोरीं। अब, अपनी अंतर्राष्ट्रीय सफलताओं में इजाफा करते हुए, उन्होंने स्टॉर्मराइडर के जरिए एक गायिका के रूप में अपनी शुरुआत की। जैकलीन का यह गाना अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अमृता सेन, जेक जियोंग (फिसन), सरबन कैजन, फीनोम और एलेक्स विंटर द्वारा निर्मित, स्टॉर्मराइडर को बेवर्ली हिल्स के मिस्ट म्यूजिक स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया था। अमृता सेन और रॉबिन ग्रुबर्ट द्वारा लिखित यह ट्रैक सशक्तिकरण, स्वतंत्रता, लचीलेपन के विषयों के माध्यम से पसंदीदा बनता जा रहा है। एक इंटरव्यू के दौरान जैकलीन ने अपने संगीत अपने सफर के बारे में बताते हुए जैकलीन ने कहा, ‘जब मैंने संगीत में कदम रखा, तो यह सिर्फ गाने बनाने के बारे में नहीं था यह मेरी कहानी, भावनाओं और सफर को व्यक्त करने के बारे में है।

फिल्म 'रेस 4' में साथ काम करेंगे सैफ और सिद्धार्थ मल्होत्रा!

रेस 4 के लेखक शिराज अहमद ने हाल ही में पुष्टि की कि सैफ अली खान और सिद्धार्थ मल्होत्रा एक्शन थ्रिलर में एक साथ नजर आएंगे और फिल्म के बारे में अन्य जानकारी भी साझा की है। लोकप्रिय रेस फ्रेंचाइजी की आगामी चौथी किस्त का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के लेखक शिराज अहमद ने रेस 4 के बारे में कुछ दिलचस्प बातें बताईं। उन्होंने बताया कि फिल्म में पहली दो फिल्मों की कहानी को जारी रखा जाएगा और इसकी शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू होगी। इस फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी द्वारा किया जाएगा। शिराज अहमद ने ही पहली तीन रेस फिल्में भी लिखी थीं। अब उन्होंने पुष्टि की कि रेस 4 की पटकथा लगभग पूरी हो चुकी है और अधिकांश कलाकारों का चयन भी हो चुका है। सैफ अली खान पहली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका में थे, वे अब इस फ्रेंचाइजी में भी वापसी करेंगे। खबर है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया है कि जनवरी 2025 में शूटिंग शुरू होगी। बाकी कलाकारों की घोषणा निर्माताओं और टिप्स फिल्म्स द्वारा उचित समय पर की जाएगी। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बावजूद रेस 3 को फ्रेंचाइजी की कहानी से भटकल के लिए आलोचनाओं का सामना करना प?ा था। इन चिंताओं पर बात करते हुए अहमद ने बताया कि सलमान खान की हीरो वाली छवि को ध्यान में रखते हुए फिल्म की कहानी में बदलाव करना पड़ा। उन्होंने कहा, रेस 3 में हमने किरदारों के मामले में रेस फ्रेंचाइजी से थोड़ा बदलाव किया है, फिल्म में सलमान खान थे, इसलिए आपको कुछ चीजें ध्यान में रखनी होंगी। वे नकारात्मक भूमिका नहीं निभा रहे थे। इस फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्मों का निर्देशन अब्बास-मस्तान ने किया था, जबकि तीसरी का निर्देशन रेमो डिसूजा ने किया था।

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों काफी चर्चा में हैं। जुलाई में फिल्म बैड न्यूज की रिलीज के बाद उनकी कई फिल्में रिलीज होने की गिनती में हैं। तृप्ति डिमरी ने फिल्म 'कला', 'एनिमल' में अपनी भूमिकाओं को लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद से लगातार अपनी फिल्मों को लेकर तृप्ति चर्चा में हैं। इस साल ही तृप्ति डिमरी तीन फिल्मों

धड़क 2, भूल भुलैया 3, 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में नजर आने वाली हैं इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में तृप्ति को लीड रोल में रखा गया है। इस कॉमेडी-ड्रामा मूवी में तृप्ति डिमरी, राजकुमार राव, विजय राज, मल्लिका शेरावत और अर्चना पूरन सिंह हैं। मूवी 11 अक्तूबर को रिलीज हो रही है। जान्हवी कपूर की 'धड़क' का सीक्वल रिलीज होने वाला है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर की जगह तृप्ति डिमरी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में तृप्ति के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म सिनेमा घरों में 22 नवंबर को रिलीज होगी। तृप्ति डिमरी इसी साल 1 नवंबर को अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ उनको देखा जा सकता है। इस फिल्म के साथ ही सिंघम अगेन भी रिलीज होने वाली है।

शाहिद के साथ काम करेंगी

तृप्ति डिमरी अभिनेता शाहिद कपूर के साथ एक और फिल्म साइन कर चुकी हैं। इस फिल्म की घोषणा 13 सितंबर को की थी। फिल्म के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज होंगे।

खराब सड़कों को लेकर प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर की उखड़ी पड़ी सड़कों और उसमें हों रहे बड़े बड़े गड्ढे कों लेकर सुभाष नगर अंडर ब्रिज के नीचे प्रदर्शन किया गया। रोड़ से निकलने वालों को सड़क वीर बताते हुए फूलों की माला पहनाकर व गुलाब की कली देकर सम्मान भी किया गया। पीडब्ल्यूडी एवं नगर निगम के खिलाफ इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता मों शावर, नज़ीर ख़ान,संतोष शाक्य,विजय यादव आदि मौजूद थे। फोटो- निर्मल व्यास

सुसाइड नोट में लिखा- मां मैंने आप लोगों को बहुत परेशान किया, माफ करना

काम करने के लिए माता-पिता ने लगाई फटकार तो युवा बेटे ने लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित सूर्या कालोनी दामखेड़ा में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगा ली। उसके पास से एक पन्ने पर लिखा सुसाइड नोट बरामद किया है। सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि मां मुझे माफ करना, मैंने आप लोगों को बहुत परेशान किया है। फांसी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार धनराज अहिरवार पिता शिवराम अहिरवार (19) सूर्या नगर, दामखेड़ा कोलार में रहता था। वह बेरोजगार था। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा दो बहनें और बड़ा भाई लक्ष्मण है। लक्ष्मण ने पुलिस को बताया कि बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। मां घरों में काम करने जाती है। छोटी बहन भी उनके साथ काम करती है। लक्ष्मण और पिता मजदूरी करते हैं। शुक्रवार सुबह सभी लोग काम पर गए थे। धनराज घर पर अकेला था। दोपहर करीब तीन बजे के आसपास मां काम कर घर लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने पड़ोसियों की मदद मांगी। पड़ोसियों ने भी दरवाजा खुलाने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला।

मां पिता काम करने लगाते थे फटकार

पुलिस ने बताया कि धनराज को छोड़कर परिवार के सभी सदस्य काम करते थे। धनराज घर पर रहता था। मां पिता उसे कई बार फटकार लगा चुके थे कि कोई काम करों। अनुमान है कि मां पिता की फटकार से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है।

दीवार तोड़कर अंदर घुसे तो पंखे पर लटका मिला शव

मां ने लक्ष्मण को कॉल कर घर बुला लिया था। अनहोनी की आशंका होने पर कमरे की ईंट वाली कच्ची दीवार तोड़ी गई तो अंदर धनराज का शव पंखे पर फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजन ने उसका शव फंदे से उतार लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस कमरे की तलाशी ली तो सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि मां मुझे माफ करना, मैंने आप लोगों को बहुत परेशान किया है। इसके अलावा उसने बड़े भाई लक्ष्मण के लिए कि मां का ध्यान रखना।

चप्पल ट्रैक किनारे उतारी, गमछा रखा फिर ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल। छोला मंदिर पुलिस ने भानपुर रेलवे ट्रैक पर खंभा नंबर 841/9ए से अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद की है। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने मृतक का शव पीएम के लिए मचूर्री में रखवा दिया है। हालांकि उसके पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। मृतक की उम्र करीब 45 साल के आसपास बताई जा रही है। ट्रेन की चपेट में आने से उसके सिर में गंभीर चोट है, जबकि दाहिना हाथ कंधे के पास से कट गया है। रेलवे टै :क से कुछ दूरी पर चप्पल उतरी हुई और गमछा रखा मिला है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उसने ट्रेन से कटकर आत्महत्या की है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है।

छोटे तालाब से बरामद हुई युवक की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तलैया पुलिस ने छोटे तालाब से एक युवक की लाश बरामद की है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक गुरुवार शाम करीब सवा चार बजे एक महिला ने सूचना दी कि काली मंदिर के पास छोटे तालाब में किसी युवक की लाश दिखाई दे रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने नगर निगम के गोताखोरों की मदद से लाश को पानी से बाहर निकलवाया और पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तलाशी लेने पर मृतक के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान की जा सके। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई गई है। वह पीले रंग की शर्ट और नीले रंग की जींस पैंट पहने था। शव करीब तीन से चार दिन पुराना होने के कारण डीकम्पोज हो गया था। पुलिस हुलिए और कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है। शव मिलने की सूचना सभी थानों को भेज दी गई है।

बैरसिया में सूने मकान से लाखों के जेवरात चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया में रहने वाले एक किसान के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपए कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक गब्बर सिंह राजपूत (31) मूलत- ग्राम दरवाजी के रहने वाले हैं। फिलहाल वह सेमरा रोड बैरसिया में रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। बीती 14 सितंबर को गब्बर अपने मकान पर ताला लगाकर ग्राम दरवाजी चले गए थे। गुरुवार सुबह घर पहुंचे तो ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी खुली पड़ी थी। चैक करने पर अलमारी में रखा पत्नी का सोने का मंगलसूत्र, सोने का रानी हार, हाथ की 6 सोने की चूड़ियां, सोने के कान के झाले, तीन सोने की अंगूठिया, बच्ची की चांदी की पायाल और एक बच्ची की गुल्लक जिसमें करीब 15 हजार रुपये नकदी थी, वह नहीं मिले। बदमाश घर और क्या सामान चोरी करके ले गए हैं, उसकी सूची और कीमत का खुलासा बाद में होगा। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर टीटी नगर स्थित तुलसी नगर में एक शासकीय कार्यालय से एसी के कापर पाइप चोरी चले गए। चोरी गए सामान की कीमत करीब पांच हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आर। शाह उइके की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में तेज रफ्तार इनोवा की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। तीनेश पुत्र कामता प्रसाद भलावी (28) तहसील मोहल्ला रायसेन का रहने वाला है। पिछले दिनों वह बाइक से भोपाल से रायसेन जा रहा था। बिलखिरिया स्थित एलएनसीटी के पास तेज रफ्तार इनोवा ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह डिवाइडर से टकराकर घायल हो गया था। गंभीर रूप से घायल तीनेश को इलाज के लिए हबीबगंज स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बयान लेने के बाद टक्कर मारने वाले चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

दूसरी मंजिल से गिरे युवक की इलाज के दौरान मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद इलाके में काम करते समय दूसरी मंजिल से गिरे एक युवक की इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस के मुताबिक संतोष भिलाला (35) सतलापुर मंडीदीप का रहने वाला था और मजदूरी करता था। इन दिनों उसका काम मिसरोद की अनुजा विलेज स्थित एक मकान पर चल रहा था। बीती 18 सितंबर को वह मकान की दूसरी मंजिल पर बन रहे शेड के लिए काम कर रहा था, तभी अचानक नीचे जा गिरा। उसे इलाज के लिए अरेरा कालोनी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रानी कमलापति की मूर्ति के सामने रील बनाने वाला गिरफ्तार

अश्लील गाने पर बनाई थी रील, प्रकरण दर्ज होने के बाद बेगमगंज में काट रहा था फरारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रानी कमलापति की प्रतिमा के सामने आपत्तिजनक ऑडियो के साथ रील बनाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद वह अपने गृह क्षेत्र बेगमगंज भाग गया था। इसके बाद सागर में फरारी काट रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान ऐशबाग निवासी 24 साल के सोहेल खान के रूप में हुई है। वह मूलत- बेगमगंज का रहने वाला है। ऐशबाग में रहकर वह फेरी लगाकर जूते-चप्पल बेचता है। पुलिस ने उसे उस दौरान दबोचा जब आरोपी भोपाल पहुंचा था। उसने गुनाह कबूल लिया है। पूछताछ में बताया कि 14 सितंबर को वह छोटा तालाब घूमने गया था। तभी उसने वीडियो रिकार्ड किया था। उसमें गाने के साथ आपत्तिजनक एक्सन कर वीडियो सोशल मीडिया में अपलोड कर दिया था। सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद समाजिक संगठनों ने इसका विरोध किया था। सासंद आलोक शर्मा ने कहा था कि यह बहुत ही आपत्तिजनक है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र से आग्रह किया कि दोषी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जाए। इसके बाद श्यामलाहिल्स पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

सड़क किनारे खड़ी कार को कंटेनर ने मारी टक्कर

भोपाल। कोहेफिजा इलाके में सड़क किनारे खड़ी कार को कंटेनर ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि अंदर बैठे युवक को शरीर में मुंदी चोट आई है। पुलिस के मुताबिक प्रदीप शर्मा हनुमान मंदिर के पास छोला रोड पर रहते हैं। वह अपनी कार टैक्सी में चलाते हैं। गुरुवार की रात प्रदीप लालघाटी स्थित वाटिका रेस्टोरेंट के पास सड़क किनारे खड़ी कर अंदर बैठे हुए थे। इसी बीच बैरागढ़ की तरफ से आ रहे एक कंटेनर ने उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार में पीछे और आगे ड्रायवर साईड काफी नुकसान पहुंचा, जबकि प्रदीप को मुंदी हुई चोट आई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कंटेनर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर धोखाधड़ी में फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर इनाम घोषित

दलित संघ सोहागपुर के कोषाध्यक्ष का गिरफ्तारी वारंट जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आरजीपीवी में हुए करोड़ों रुपए के घोटाले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर पांच हजार का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस को दलित संघ सोहागपुर के कोषाध्यक्ष की तलाश है। उसकी संपत्ति कुर्क की कार्रवाई भी की जा रही है। न्यायालय ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। जानकारी के अनुसार राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. मोहन सेन की रिपोर्ट पर आरोपी सुनील कुमार तत्कालीन कुलपति, आरएस राजपूत तत्कालीन कुलसचिव, ऋषिकेश वर्मा तत्कालीन वित्त नियत्रंक, कुमार मयंक दलित संघ सोहागपुर एवं अन्य के विरुद्ध विश्वविद्यालय में अनियमितता एवं अनाधिकृत रूप से आपराधिक षड्यंत्र कर विश्वविद्यालय की राशि 19.48 करोड़ रुपए निजी खातों में अंतरित किए जाने की रिपोर्ट गांधी नगर थाने में दर्ज कराई थी। प्रकरण की विवेचना सहायक पुलिस आयुक्त बैरागढ़ द्वारा एसआईटी के साथ मिलकर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई। जांच के दौरान अब तक कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपी अशोक चैरसिया दलित संघ सोहागपुर का कोषाध्यक्ष है। दलित संघ सोहागपुर के खाते में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के आरोपी अधिकारियों द्वारा 9 करोड 50 लाख रुपए स्थानांतरित किए गए थे। कोषाध्यक्ष अशोक चौरसिया एवं सचिव रतन उमरे ने उक्त राशि चेकों में हस्ताक्षर कर आरोपी बैंक अधिकारियों से मिलकर नगद राशि का आहरण एवं अन्य खातों में हस्तांतरित किया गया था। अशोक चौरसिया घटना दिनांक से ही फरार है। उसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। प्रकरण में आरोपी अशोक चौरसिया की संपत्ति की कुर्की कार्यवाही कराने के लिए विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के न्यायालय में आवेदन दिया गया था, जिस पर न्यायालय उसके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

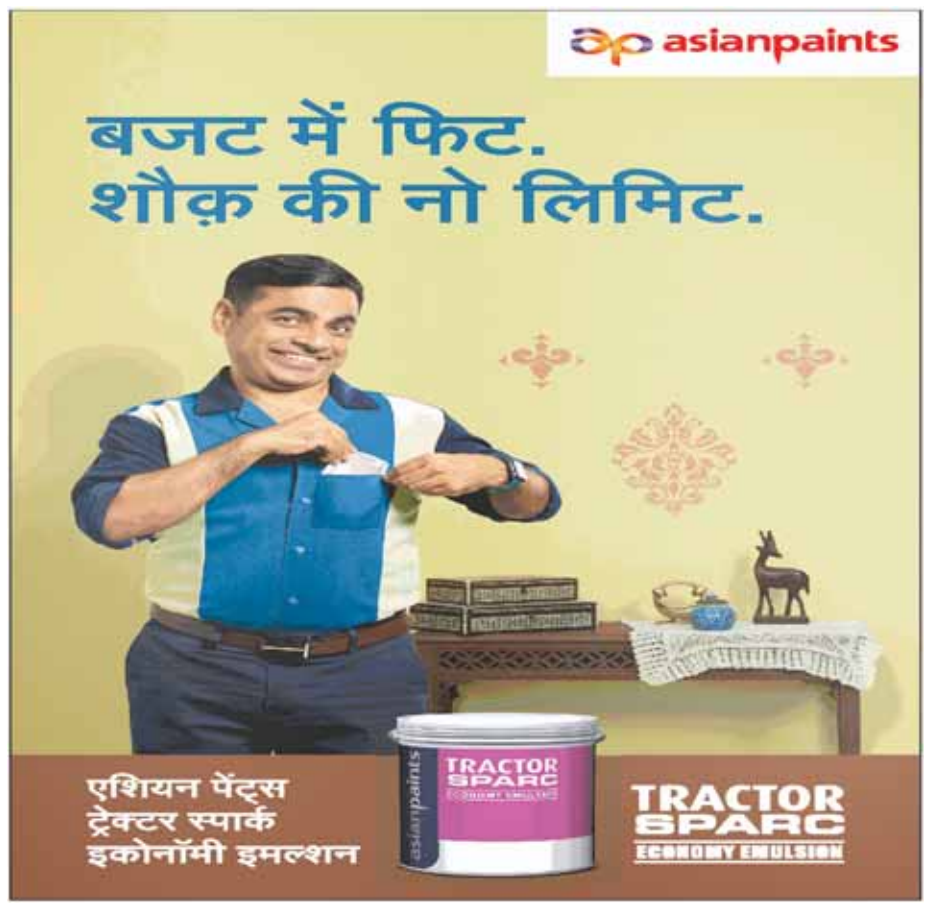

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022